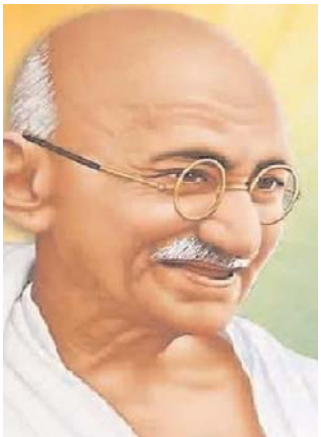




आज गांधी जयंती

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

K K

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा

वर्ष-32 अंक-212

नर्मदापुरम् (होशंगाबाद) शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026

पृष्ठ-8 मूल्य -1 रुपये

सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

राम मंदिर चंदा चोरी

चंपत राय के खिलाफ कार्रवाई की याचिका पर विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। अयोध्या के राम मंदिर से जुड़े दान की कथित चोरी और अनियमितताओं के मामले में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए सहमति जताई है। अखिल भारत हिंदू महासभा की ओर से दायर याचिका को इस मामले से जुड़ी अन्य संबंधित याचिकाओं के साथ जोड़कर 2 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष यह मामला आया। याचिकाकर्ता संगठन की ओर से अधिवक्ता वरिंदर कुमार शर्मा ने अदालत के समक्ष दलीलें रखीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को जन्मदिन की बधाई दी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने उनके सार्वजनिक जीवन में राष्ट्र सेवा, भारत के विकास, संविधान में निहित मूल्यों और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रामनाथ कोविंद के सार्वजनिक जीवन का लंबा अनुभव भारत के विकास, संविधान के मूल्यों और जनता के कल्याण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कोविंद ने पूरी निष्ठा और सादगी के साथ राष्ट्र की सेवा की है, जिसके कारण समाज के सभी वर्गों के लोग उनका सम्मान करते हैं।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी अपने संदेश में कहा, "पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। सार्वजनिक जीवन में उनके लंबे कार्यकाल में भारत के विकास, हमारे संविधान में निहित मूल्यों और जनकल्याण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता झलकती है। उन्होंने राष्ट्र की सेवा भाव और सादगी से की है, जिसके कारण समाज के सभी वर्गों के लोग उनका सम्मान करते हैं।

महाराष्ट्र के रायगढ़ में बड़ा हादसा, समुद्र में डूबने से 8 छात्रों की मौत

रायगढ़, (आरएनएस)। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के प्रसिद्ध दिवेआगर समुद्र तट पर गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। पुणे के आलंदी स्थित एक निजी कोचिंग संस्थान से पिकनिक के लिए आए आठ छात्रों की समुद्र में डूबने से मौत हो गई। मृतक छात्र 11वीं और 12वीं कक्षा के बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, सभी आठों शव बरामद कर लिए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, कोचिंग संस्थान का 48 सदस्यीय दल दिवेआगर समुद्र तट पर घूमने आया था। दल में 25 छात्र, 17 छात्राएं और छह शिक्षक शामिल थे। इसी दौरान आठ छात्र समुद्र में नहाने के



लिए गहरे पानी की ओर चले गए। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, पानी की गहराई और समुद्री बहाव का सही अंदाजा नहीं लग पाने के कारण वे तेज बहाव की चपेट में आ गए और डूब गए। हादसे की सूचना

मिलते ही स्थानीय लोगों, पुलिस और बचाव दल ने तलाश एवं बचाव अभियान शुरू किया। स्थानीय लोगों और जलक्रीड़ा केंद्र के कर्मचारियों ने भी बचाव कार्य में मदद की। काफी प्रयास के बाद सभी छात्रों के शव समुद्र से बाहर निकाले गए। शवों को बोरली पंचतन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां आगे की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है। मृतक छात्रों की पहचान यश किरण वानखेड़े, सोहम तुकाराम भांडवलकर, तन्मय दत्तात्रेय वाहिले, कोस्तुभ संदीप दौंड, कैवल्य वासनकर, राजवीर वाहिले, प्रणव बनसोडे और सुमित अहिरे के रूप में हुई है।

दक्षिण-पश्चिम से मानसून विदा, देश में सामान्य से 13 फीसदी कम बारिश



अब उत्तर-पूर्वी मानसून पर नजर, दक्षिण भारत में बारिश का दौर जारी रहने के आसार

नई दिल्ली (आरएनएस)। दक्षिण-पश्चिम मानसून का चार महीने का मौसम 30 सितंबर को समाप्त हो गया। जून से सितंबर के दौरान देश में सामान्य से करीब 13 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में देश में करीब 759.4 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि सामान्य बारिश लगभग

868.6 मिलीमीटर रहती है। मानसून के दौरान बारिश का वितरण एक समान नहीं रहा। जून में बारिश सामान्य से करीब 65 फीसदी कम रही, जबकि जुलाई में इसमें उल्लेखनीय सुधार हुआ और बारिश सामान्य के करीब पहुंच गई। अगस्त में फिर कमी दर्ज की गई, जबकि सितंबर में बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने मौसमी तंत्रों के कारण बारिश में कुछ सुधार हुआ। क्षेत्रवार स्थिति देखें तो दक्षिण भारत में सामान्य से करीब 24 फीसदी और पूर्वोत्तर क्षेत्र में करीब 26 फीसदी कम बारिश हुई। बिहार, पश्चिमी राजस्थान तथा सौराष्ट्र-कच्छ भी कम बारिश वाले प्रमुख क्षेत्रों में रहे। इसके विपरीत मध्य भारत में बारिश सामान्य की करीब 97 फीसदी रही, जबकि पूर्वोत्तर भारत में यह करीब 94 फीसदी दर्ज की गई। दिल्ली में मानसून की अवधि अपेक्षाकृत कम रहने के बावजूद सामान्य से अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, प्रशांत महासागर के सतही जल के असामान्य रूप से गर्म होने की घटना अल नीनो पूरे मानसून मौसम के दौरान प्रभावी रही।

प्रधानमंत्री मोदी ने पायलट स्मित मच्छार के परिवार से बात की, हससंभव मदद का आश्वासन दिया

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को भारतीय पायलट स्मित मच्छार के परिवार से बात की, जिन पर एक दिन पहले फ्लाईडुबई की फ्लाइट में चाकू से हमला हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक, मोदी ने मच्छार की पत्नी और

माता-पिता से बात की और विमान में सवार 174 यात्रियों की जान बचाने के लिए पायलट की बहादुरी की सराहना की। प्रधानमंत्री ने उनके परिवार को आश्वासन दिया कि भारतीय दूतावास घायल पायलट को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को एक्स पर लिखा, %कैप्टन स्मित मच्छार एक हीरो हैं। बेहद खतरनाक हालात और गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, उन्होंने दूसरों की जान बचाने के लिए जबरदस्त हिम्मत और अटूट संकल्प दिखाया। उन्होंने लिखा कि उनकी बहादुरी से सैकड़ों लोगों की जान बची और एक बड़ी त्रासदी टल गई।

कैंसर दवाओं पर 10 गुना मुनाफा कल्लेआम.. कोर्ट

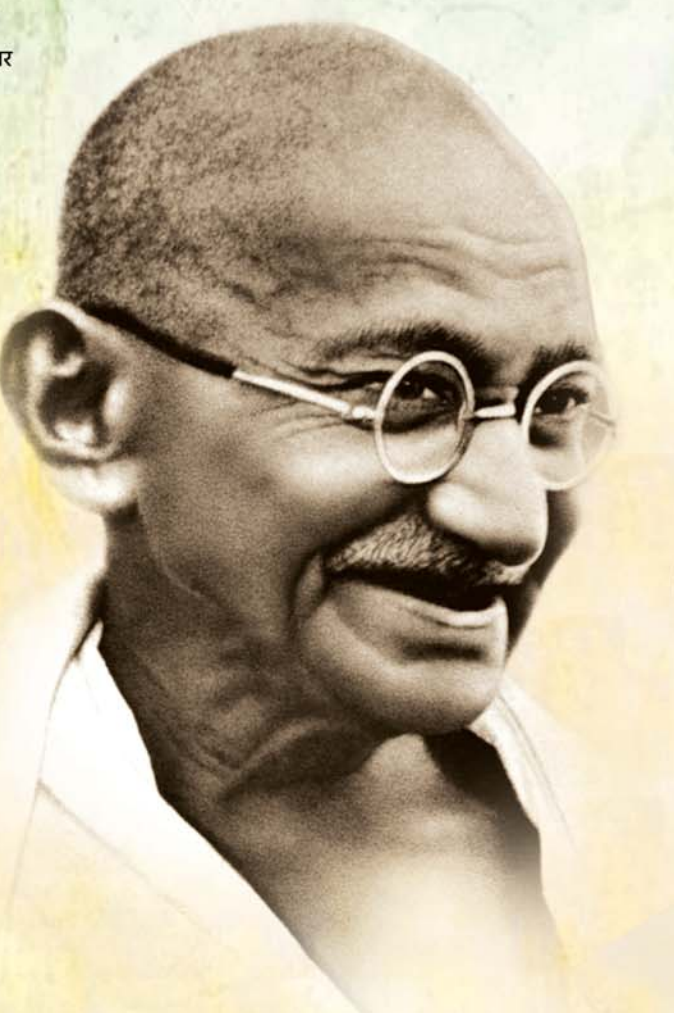
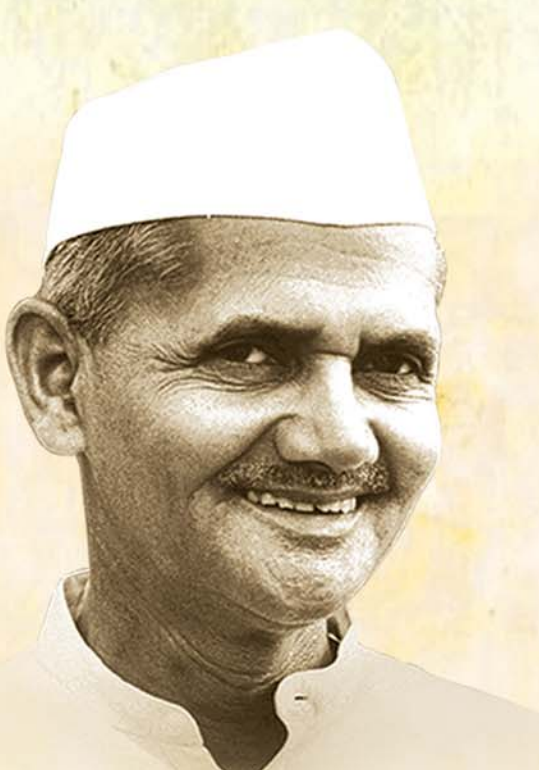




भारत सरकार

गांधी जी और शास्त्री जी को उनकी जयंती पर कृतज्ञ राष्ट्र का कोटि-कोटि नमन

2 अक्टूबर, 2026

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर, राष्ट्र इन दोनों महान नेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करता है, जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया।

"गांधी जी ने साहस, सादगी, सेवा और करुणा की शक्ति का मार्ग दिखाया, वहीं शास्त्री जी का जीवन और नेतृत्व एक सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण के लिए प्रेरित करता रहेगा।"

- नरेन्द्र मोदी



CBC 63101/13/0015/2627

शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

प्रादेशिक समाचार

सविदा आधार पर नियुक्त कार्मिकों को नियमित नियुक्ति दिये जाने की स्वीकृति के बाबजूद अभी तक आगामी प्रक्रिया प्रारंभ नहीं हुई : राकेश डी पी पाठक



जबलपुर, (ए.)। मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने कहा, ऊर्जा क्षेत्र की सभी बिजली कंपनियों में परीक्षा देकर आए सविदा कर्मी अनेक वर्षों से कार्यरत हैं। माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी, ऊर्जा मंत्री प्रधुन सिंह तोमर जी, अतरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा, ऊर्जा सचिव जी के विशेष आदेश पर सभी को नियमित नियुक्ति प्रदान करने हेतु आदेश दिए गए थे।?
ऊर्जा विभाग ने जुलाई 2026 के आदेश के माध्यम से सविदा आधार पर नियुक्त कर्मियों को स्वीकृत नये समकक्ष नियमित रिक्त पदों पर नवीन नियुक्ति दिये जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की थी।
ऊर्जा विभाग द्वारा जारी पत्र में यह स्पष्ट रूप से आदेशित किया गया है कि नियमित नियुक्ति प्रदान करने की कार्यवाही 31 अक्टूबर 2026 तक पूर्ण किया जाना है।
सविदा कर्मियों को नियमित नियुक्ति प्रदान करने के लिए बाह्य स्रोत एजेंसी के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया संपादित करने के लिए पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को नोडल कंपनी नामित किया गया था।उक्त प्रक्रिया के क्रियावन्वयन हेतु अल्प अवधि शेष होने के परिप्रेक्ष्य में सविदा कर्मियों से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्राप्त करना, बाह्य स्रोत एजेंसी का निर्धारण, परीक्षा की संभावित तिथि से सविदा कर्मियों को अवगत कराया जाना इत्यादि कार्यवाही शीघ्र पूर्ण किया जाना अति आवश्यक है, जिससे समय सीमा में उक्त प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

दैनिक क्षितिज किरण 3

प्रशासन द्वारा रमौआ एवं नैनागिरि से हटाया गया अतिक्रमण

10 करोड़ रुपए बाजार मूल्य की शासकीय भूमि को कराया गया मुक्त



ग्वालियर (आरएनएस)। शासकीय भूमियों से अतिक्रमण हटाने के लिये चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को ग्राम रमौआ की शासकीय भूमि पर बाउण्ड्रीवाल के अतिक्रमण को हटाकर मुक्त कराया। इसके साथ ही रमौआ एवं नैनागिरि में कुल 1.45 हैक्टेयर से अतिक्रमण हटाया गया।
हटाए गए अतिक्रमण की भूमि का अनुमानित बाजार मूल्य 10 करोड़ रुपए है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका कोहान के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अतुल सिंह के नेतृत्व में अनुभाग झांसी रोड के ग्राम रमौआ की शासकीय भूमि खसरा क्रमांक-71, 72, 73 रकबा 0.162 हैक्टेयर पर फलोवर सिटी के अंदर बाउण्ड्रीवाल बनाकर जगदीश, श्यामसुंदर, नेतराम,शिवसिंह द्वारा ग्राम रमौआ के सर्वे क्र.-100 रकबा 1.05 हैक्टेयर पर खेती करके, नाथु पुत्र कप्तान सिंह द्वारा ग्राम रमौआ के सर्वे क्रमांक-85 रकबा 0.226 हैक्टेयर भूमि पर बाउण्ड्री बनाकर रिबेरा सिटी के अंदर ग्राम नैनागिरि के सर्वे क्र.-139 रकबा 0.021 हैक्टेयर भूमि पर बाउण्ड्री बनाकर शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया गया था।

एमपी ट्रांसको ने ग्वालियर के बिलौआ में 132 केवी सबस्टेशन किया ऊर्जीकृत : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

ग्वालियर (आरएनएस)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने ग्वालियर जिले के बिलौआ क्षेत्र में 132 केवी एक्स्ट्रा हाई टेंशन (ईएचटी) सबस्टेशन को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत कर विद्युत पारेषण नेटवर्क से जोड़ दिया है। 50 एमवीए क्षमता वाला यह सबस्टेशन प्रदेश के 418वें ईएचटी सबस्टेशन के रूप में पारेषण प्रणाली का हिस्सा बना है।
ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि बिलौआ सबस्टेशन के ऊर्जीकृत होने से बिलौआ औद्योगिक क्षेत्र तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की विद्युत पारेषण व्यवस्था सुदृढ़ होगी। साथ ही क्षेत्र में भविष्य की बढ़ती विद्युत मांग को पूर्ति के लिए आवश्यक पारेषण क्षमता उपलब्ध हो सकेगी।
ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने इस उपलब्धि के लिए एमपी ट्रांसको के अभियंताओं एवं कार्मिकों को बधाई दी।

मिश्रित वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में खुला, ऑटो स्टॉक्स पर दबाव

मुंबई (आरएनएस)। मिश्रित वैश्विक संकेतों के बीच गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। सुबह 9:22 पर सेंसेक्स 160 अंक या 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 72,319 और निफ्टी 79 अंक या 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,541 पर था।

शुरुआती कारोबार में सबसे अधिक दबाव ऑटो शेयर्स पर देखा जा रहा था। सूचकांकों में निफ्टी ऑटो टॉप लुज़र था। इसके बाद निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी कर्मांडिटोज, निफ्टी पीएसई, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी फार्मा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी पीएसयू बैंक लाल निशान में थे।

दूसरी निफ्टी आईटी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में मजबूती के साथ कारोबार हो रहा था।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी कमजोरी के साथ कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 404 अंक या 0.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 58,936 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 197 अंक या 1.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,044 पर था।

ज्यादातर एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार हो रहा था। टोक्यो, ताइपे और सोल हरे निशान में थे, जबकि जकार्ता लाल निशान में था। अमेरिकी बाजार भी बुधवार को मिश्रित बंद हुए थे, जिसमें मुख्य सूचकांक डाओ जोन्स 0.86 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और टेक्नोलॉजी इंडेक्स नैस्डैक 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ।

जानकारों के मुताबिक, एफआईआई की लगातार बिकवाली पिछले दो ट्रेडिंग दिनों में और तेज हो गई, इस दौरान उन्होंने कुल 20,128 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। यूएस के 10-साल के बॉन्ड यील्ड के बढ़कर 5.3 प्रतिशत होने के कारण, एफआईआई की बिकवाली जारी रह सकती है। एफआईआई की गतिविधियों में एक विरोधाभास यह है कि एक्सचेंज के जरिए बिकवाली करने के बावजूद, वे लगातार प्राइमरी मार्केट में निवेश कर रहे हैं और महंगे मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयर भी खरीद रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि निवेशक बाजार के इस कमजोर दौर का फायदा उठाकर अच्छी क्वालिटी वाले स्टॉक जमा कर सकते हैं, खासकर ग्रोथ सेगमेंट में मौजूद लार्ज-कैप स्टॉक, जहां निवेश के लिए रिस्क-रिवॉइं रेश्यो फायदेमंद है।

यूपीआई लेनदेन की संख्या सितंबर में 23 प्रतिशत बढ़ी, वैल्यू 29 लाख करोड़ रुपए के पार

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के लेनदेन की संख्या सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 24.07 अरब हो गई। वहीं, लेनदेन का कुल मूल्य 18 प्रतिशत बढ़कर 29.37 लाख करोड़ रुपए हो गया।

औसतन सितंबर में यूपीआई के जरिए प्रतिदिन करीब 80.2 करोड़ लेनदेन हुए। इन लेनदेन का औसत दैनिक मूल्य लगभग 97,913 करोड़ रुपए रहा।

अगस्त में यूपीआई लेनदेन की संख्या सालाना आधार पर 22 प्रतिशत बढ़कर 24.51 अरब हो गई थी, जबकि लेनदेन का मूल्य 20 प्रतिशत बढ़कर 29.82 लाख करोड़ रुपए रहा था।एनपीसीआई के आंकड़ों के अनुसार, आईएमपीएस के जरिए तत्काल फंड ट्रांसफर की राशि सितंबर में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़कर 7.06 लाख करोड़ रुपए हो गई है। वहीं, इसके जरिए औसतन प्रतिदिन 1.18 करोड़ लेनदेन हुए, जबकि औसत दैनिक लेनदेन राशि 23,530 करोड़ रुपए रही।इसके अतिरिक्त, प्रमुख व्यापारी संगठनों ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ राष्ट्रीय राजधानी में बैठक के बाद 2 अक्टूबर को 'नो यूपीआई डे' मनाने का अपना आह्वान वापस ले लिया है।विभिन्न राज्यों के करीब 20 व्यापारिक प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री से मुलाकात कर 2,000 रुपए से अधिक के मर्चेंट यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत शुल्क को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर कीं।

भीषण सड़क हादसा, कार का पिछला शीशा तोड़कर अंदर जा घुसा बाइक सवार, आधा शरीर लटका



डिंडोरी (ए.)। जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे पर शाहपुर थाना क्षेत्र के आमाचूहा गांव के पास एक भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर कार से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक कार का पिछला शीशा तोड़ते हुए उसके अंदर जा घुसी। हादसे में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

पिछले शीशे को चीरते हुए अंदर घुसा युवक

जानकारी के मुताबिक, आमाचूहा गांव के पंडा टोला के पास बाइक सवार मनोज तेकाम डिंडोरी की ओर जा रहा था। इसी दौरान उसकी

बाइक अनियंत्रित होकर आगे चल रही कार से टकरा गई। टक्कर के बाद बाइक का अगला हिस्सा कार के पिछले शीशे को चीरते हुए अंदर घुस गया। युवक का आधा शरीर कार के पिछले हिस्से आधा बाहर लटक रहा।

स्थानीय लोगों ने युवक को निकाला बाहर

हादसा होते ही मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल घायल बाइक चालक को बाइक और कार के बीच से बाहर निकाला।

इसके बाद उसे इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्यकेंद्र पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज

पेट दर्द की शिकायत पर अस्पताल पहुंची महिला की मौत, परिजनों ने अस्पताल पर लगाया लापरवाही का आरोप



गया था। यहां प्राथमिक जांच के बाद कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. आशीष तिवारी ने हृदय की नसों में ब्लॉकेज बताते हुए ऑपरेशन की सलाह दी। परिजनों का कहना है कि सर्जरी के कुछ घंटे बाद ही भगवती की तबीयत बिगड़ने लगी और उनकी मौत हो गई।परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल में स्वास्थ्य बीमा की जानकारी मिलने के बाद उपचार की दिशा बदल दी गई। उनका दावा है कि बीमा का लाभ लेने के उद्देश्य से जल्दबाजी में सर्जरी का निर्णय लिया गया। परिजनों के मुताबिक उपचार के नाम पर करीब 2.5 लाख रुपये का बिल भी बनाया गया।

त्यापार समाचार

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 62.50 रुपए महंगा हुआ, एटीएफ का भी बढ़ा दाम

नई दिल्ली (आरएनएस)। सरकारी तेल विपणन क'पनियों (ओएमसी) ने अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क कीमतों में मजबूती के अनुरूप गुरुवार से 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 62.50 रुपए की बढ़ोतरी की है।

इस संशोधन के बाद दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 62.50 रुपए बढ़कर 2,810 रुपए हो गई है। सितंबर में भी इसकी कीमत 9.50 रुपए बढ़ाई गई थी। इससे पहले अगस्त में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में 192 रुपए और जुलाई में 183.50 रुपए की कटौती की गई थी।

वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान और अंतरराष्ट्रीय कीमतों में तेजी के बीच जून में कमर्शियल एलपीजी की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई थी। इसके अलावा, फरवरी से जून के बीच 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत में 1,373 रुपए की बढ़ोतरी हुई थी, जिससे इसकी कीमत 1,740.50 रुपए से बढ़कर 3,113.50 रुपए हो गई थी।

मिल्लौकी में जी20 व्यापार वार्ता शुरु, पीयूष गोयल ने किया भारत का प्रतिनिधित्व

मिल्लौकी (आरएनएस)। दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के व्यापार मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक मिल्लौकी में शुरू हो गई है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस बैठक में हिस्सा लिया और भारत का प्रतिनिधित्व किया। अमेरिका ने वैश्विक स्तर पर स्टील के अधिक उत्पादन और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के कुछ नियमों में बदलाव के लिए समन्वित कार्रवाई की मांग की है। जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक की मेजबानी अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर कर रहे हैं। यह बैठक बुधवार को स्थानीय समय पर शुरू हुई।बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब टैरिफ को लेकर तनाव, औद्योगिक क्षमता के अधिक होने की चिंता और वैश्विक व्यापार प्रणाली के भविष्य को लेकर बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में मतभेद बढ़ रहे हैं।

बैठक का पहला बड़ा नतीजा ग्लोबल फोरम ऑन स्टील एक्सेस कैपेसिटी की बैठक से आया, जहां हिस्सा लेने वाले देशों ने अतिरिक्त स्टील उत्पादन के खिलाफ समन्वित कार्रवाई के लिए एक नए फ्रेमवर्क पर सहमति जताई। जैमीसन ग्रीर ने कहा कि %मिल्लौकी फ्रेमवर्क% अतिरिक्त क्षमता के खिलाफ मजबूत समन्वित कार्रवाई की मांग करेगा। इस फ्रेमवर्क में व्यापार उपायों, स्टील सप्लाई चेन की निगरानी और ट्रांसशिपमेंट की अधिक जांच जैसे उपाय शामिल हैं।जब उनसे पूछा गया कि क्या देशों ने चीनी स्टील पर टैरिफ बढ़ाने पर सहमति जताई है, तो जैमीसन ग्रीर ने कहा कि हर देश अपना फैसला खुद लेगा।उन्होंने कहा, हर देश वही करेगा, जो उसे उचित लगेगा। हम इन उपायों में समन्वय चाहते हैं। अमेरिका ने मजबूत कदम उठाए हैं और शायद दूसरे देशों के लिए भी ऐसा करना सही होगा।पीयूष गोयल मंत्रिस्तरीय बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और इसके साथ-साथ अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकों भी कर रहे हैं।भारत ने कहा है कि वह नियम-आधारित, खुली, समावेशी, पारदर्शी, न्यायसंगत और गैर-भेदभावपूर्ण बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के लिए काम करेगा, जिसके केंद्र में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) होगा, साथ ही विकासशील देशों के लिए पर्याप्त नीतिगत स्थान सुनिश्चित किया जाएगा।



हालांकि, घरेलू एलपीजी की कीमत 942 रुपए पर अपरिवर्तित रखी गई है। पश्चिम एशिया संकट से जुड़ी आपूर्ति बाधाओं और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों में तेजी के बीच मार्च से जून के बीच घरेलू एलपीजी

बैंक कर्मचारियों की हर शनिवार छुट्टी की रिपोर्ट को सरकार ने किया खारिज, कहा- नहीं जारी की अधिसूचना



नई दिल्ली (आरएनएस)। बैंक कर्मचारियों की हर शनिवार छुट्टी की सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही रिपोर्ट को सरकार ने गुरुवार को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि वित्त मंत्रालय की ओर से ऐसी कोई अधिसूचना जारी नहीं की गई है।सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत आने वाले पीआईबी की फैक्ट चेक यूनिट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट कर कहा, सोशल मीडिया पर वित्त मंत्रालय (वित्तीय सेवा विभाग) का बताया जा रहा एक राजपत्र वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया गया है कि केंद्र सरकार ने एसबीआई समेत सभी पब्लिक सेक्टर बैंकों के लिए हर शनिवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया है।पोस्ट में आगे बताया गया,जो दस्तावेज वायरल हो रहा है वह फर्जी है। वित्त मंत्रालय ने ऐसी कोई अधिसूचना जारी नहीं की है, जिसमें सरकारी बैंकों के लिए हर शनिवार को अवकाश घोषित किया गया हो।सोशल मीडिया पर भारत का राजपत्रक नाम से एक दस्तावेज वायरल हो रहा था, जिसमें लिखा हुआ था कि विनियम लेख अधिनियम, 1881 (1881 का 26) की धारा 25 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार, लोकहित में, सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (जिसमें भारतीय स्टेट बैंक भी शामिल है) की सभी शाखाओं में, प्रत्येक शनिवार को साप्ताहिक अवकाश के रूप में घोषित करती है। साथ ही कहा कि यह अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू होगी। इससे पहले सरकारी बैंक कर्मचारियों ने सप्ताह में 5 दिन कार्यदिवस को लेकर 28-30 सितंबर तक की हड़ताल का ऐलान किया था।हालांकि, इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और यूनाइटेड



’आज के बच्चे, कल का भविष्य : सेवा संकल्प से साकार हो रहा सुपोषित छतीसगढ़’

ओम प्रकाश डहरिया

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान की भावना जनभागीदारी और सेवा के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच रही है। इस अभियान की सार्थक पहल ‘आंगन मिलन उत्सव’ के रूप में गांवों के आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचती दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन की सेवा-भावना से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का उल्लेख आधिकारिक स्तर पर भी किया गया है।

आंगन मिलन उत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बच्चों के स्वस्थ, वर्तमान और उज्ज्वल भविष्य के लिए समाज की सामूहिक जिम्मेदारी का उत्सव है। गांव के आंगनबाड़ी केंद्रों में महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों का सम्मान, बच्चों को कुपोषण से बाहर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली दीदियों, मिताफिनों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान इस पहल को सेवा और सम्मान की संवेदना से जोड़ता है।

गांव के वरिष्ठ नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता इस आयोजन को और अधिक आत्मीय बनाती है। उनके हाथों बच्चों और महिलाओं को सुपोषण एवं स्वस्थ जीवन के लिए उपयोगी टिप्स दिए जाना उस पीढ़ी के अनुभव को नई पीढ़ी के भविष्य से जोड़ने जैसा है।

उत्सव में अन्न के दानों से बनाई गई सुपोषण की रंगोली केवल कला की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि यह संदेश देती है कि हमारे घर और खेतों में उपलब्ध पौष्टिक अन्न ही स्वस्थ जीवन की मजबूत नींव है। बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी सुपोषण का संदेश सहज और प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है।

इसी क्रम में अन्नप्राशन कार्यक्रम नवजात के जीवन में पोषण की नई शुरुआत का प्रतीक बनता है, तो गोद भराई कार्यक्रम मातृत्व, मातृ स्वास्थ्य और आने वाली पीढ़ी की देखभाल के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी का भाव जगाता है।

गांधी जयंती विशेष : गांधी के विचार आज भी क्यों जरूरी हैं?

संदीप पंडा

हर वर्ष 2 अक्टूबर को देश महात्मा गांधी की जयंती मनाता है। यह दिन केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि उन विचारों को समझने का दिन भी है, जिनके आधार पर गांधीजी ने अपने जीवन को आगे बढ़ाया। सत्य, अहिंसा, सादगी, स्वच्छता, स्वदेशी और मानव सेवा उनके जीवन के ऐसे पहलू रहे, जिन्होंने उन्हें भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में अलग पहचान दिलाई।

महात्मा गांधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। उनका पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। सामान्य परिवार में जन्म लेने वाले गांधीजी ने अपने जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन उन्होंने परिस्थितियों के सामने झुकने के बजाय अपने सिद्धांतों को महत्व दिया। यही कारण है कि आज भी उनका जीवन लोगों के लिए प्रेरणा का विषय बना हुआ है।

सत्य को बनाया जीवन का आधार

गांधीजी के जीवन में सत्य का विशेष स्थान था। उनके लिए सत्य केवल बोलने की बात नहीं थी, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका था। वे मानते थे कि व्यक्ति को अपने विचार, व्यवहार और कार्यों में ईमानदारी रखने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने स्वयं अपने जीवन में अनेक प्रयोग किए और अपनी गलतियों से सीखने का प्रयास किया। यही कारण है कि गांधीजी का व्यक्तित्व केवल राजनीतिक नेता का नहीं, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति का भी रहा, जिसने अपने जीवन को लगातार बेहतर बनाने की कोशिश की।

अहिंसा बनी संघर्ष की ताकत

गांधीजी के नाम के साथ सबसे अधिक जिस विचार को जोड़ा जाता है, वह है अहिंसा। उन्होंने यह दिखाया का प्रयास किया कि अन्याय का विरोध बिना हिंसा के भी किया जा सकता है। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सत्याग्रह और अहिंसक आंदोलनों के माध्यम से उन्होंने बड़ी संख्या में आम लोगों को आंदोलन से जोड़ा। चंपारण सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन जैसे महत्वपूर्ण पड़ावों में गांधीजी की भूमिका रही। विशेष बात यह थी कि स्वतंत्रता की लड़ाई को उन्होंने केवल कुछ नेताओं तक सीमित नहीं रहने दिया। उन्होंने किसानों, मजदूरों, महिलाओं और आम नागरिकों को भी इससे जोड़ने का प्रयास किया। इससे स्वतंत्रता आंदोलन एक व्यापक जनआंदोलन के रूप में सामने आया।

सादगी में दिखाई देती थी शक्ति

गांधीजी का जीवन बेहद सादा था। उनका पहनावा, खान-पान और दैनिक जीवन आम लोगों से जुड़ा हुआ था। वे दिखावे से दूर रहते थे और अपने व्यक्तिगत जीवन में भी उन बातों को अपनाने का प्रयास करते थे, जिनकी बात समाज से करते थे। उनकी सादगी आज के दौर में भी महत्वपूर्ण संदेश देती है। आज जब सफलता को अक्सर धन, सुविधा और दिखावे से जोड़कर देखा जाता है, तब गांधीजी का जीवन यह याद दिलाता है कि किसी व्यक्ति की वास्तविक पहचान उसके विचारों और कर्मों से भी बनती है।

जनता साथ, संस्थाओं की सारख पर सवाल क्यों?

प्रो. आरके जैन अरजिजीत

लोकतंत्र की असली ताकत वोट में नहीं, उस भरोसे में है जो वोट के बाद बचा रहता है। नागरिक को यदि अपने वोट, अधिकार और शिकायत के साथ संस्थाओं के निष्पक्ष व्यवहार का भरोसा न रहे, तो लोकतंत्र का आधार कमजोर पड़ता है। इंडिया टुडे-सोवोटर के आगस्त 2026 के ‘मूड ऑफ द नेशन’ सर्वेक्षण का सबसे गंभीर संकेत संस्थाओं पर बढ़ता अविश्वास है। जनवरी 2026 में 46 प्रतिशत लोग लोकतंत्र को सुरक्षित (खतरे में नहीं) मानते थे; अब 46.7 प्रतिशत इसे खतरे में मानते हैं (जबकि 41.6 प्रतिशत अभी भी सुरक्षित मानते हैं)। चुनावों को स्वतंत्र और निष्पक्ष मानने वालों की संख्या अगस्त 2025 के 64.4 प्रतिशत से घटकर 51.9 प्रतिशत रह गई, जबकि ऐसा न मानने वालों की संख्या 31.7 से बढ़कर 40.9 प्रतिशत हो गई। ये आंकड़े किसी दल के खिलाफ फैसला नहीं, लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता पर उठता सवाल हैं।यहाँ सर्वेक्षण का सबसे बड़ा विरोधाभास सामने आता है—मुद्दों पर सहमति है, मगर उन्हें लागू करने वाली प्रक्रिया पर भरोसा कमजोर है। समान नागरिक संहिता, एक साथ चुनाव और अवैध प्रवासन के खिलाफ कार्रवाई को र्ण्यत समर्थन मिल रहा है, लेकिन संस्थाओं के कामकाज पर नागरिक पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं। यानी बदलाव की मांग है, पर बदलाव की प्रक्रियासदेर के घेरे में है। नीति से असहमति लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है; चिंता तब बढ़ती है जब नियम बनाने और लागू करने वाली संस्थाओं की निष्पक्षता पर ही सवाल उठने लगें। तब विवाद किसी नीति तक सीमित नहीं रहता—व्यवस्था की विश्वसनीयता कटघरे में आ जाती है। सहमति बनी हुई है,



स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का संदेश

गांधीजी ने स्वदेशी को भी विशेष महत्व दिया। उनका मानना था कि भारत के गांवों, कारीगरों और छोटे उत्पादकों को मजबूत किए बिना देश की वास्तविक प्रगति संभव नहीं है।

चरखा उनके लिए केवल कपड़ा बनाने का साधन नहीं था। वह आत्मनिर्भरता और मेहनत का प्रतीक बन गया था। गांधीजी चाहते थे कि आम आदमी अपने श्रम का सम्मान करे और देश की अर्थव्यवस्था में अपनी भूमिका को समझे। आज आत्मनिर्भरता की बात अलग-अलग क्षेत्रों में होती है। ऐसे समय में गांधीजी के स्वदेशी और स्थानीय उत्पादन से जुड़े विचारों को नए संदर्भ में समझा जा सकता है।

स्वच्छता को दिया महत्व

गांधीजी ने स्वच्छता को भी अपने जीवन और विचारों में महत्वपूर्ण स्थान दिया। उनका मानना था कि स्वस्थ और बेहतर समाज के लिए साफ-सफाई जरूरी है। उन्होंने केवल दूसरों को स्वच्छता का संदेश नहीं दिया, बल्कि स्वयं भी सफाई के कार्यों में हिस्सा लिया। उनके लिए स्वच्छता केवल घर और सड़क तक सीमित विषय नहीं थी, बल्कि यह व्यक्ति की जिम्मेदारी और समाज के प्रति उसके कर्तव्य से जुड़ी थी। आज देशभर में स्वच्छता को लेकर अनेक अभियान चलाए जाते हैं। ऐसे समय में गांधीजी का स्वच्छता संबंधी संदेश और भी प्रासंगिक दिखाई देता है।

अंतिम व्यक्ति की चिंता

गांधीजी के विचारों में समाज के सबसे कमजोर और जरूरतमंद व्यक्ति के लिए विशेष स्थान था। वे चाहते थे कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उनकी सोच का मूल भाव यही था कि देश की प्रगति का वास्तविक अर्थ तब है, जब गरीब, कमजोर और वंचित व्यक्ति भी सम्मान के साथ जीवन जी सके। आज भी किसी समाज की

प्रगति को केवल बड़ी इमारतों, सड़कों और आर्थिक आंकड़ों से नहीं मापा जा सकता। समाज में रहने वाले कमजोर वर्गों की स्थिति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

सामाजिक सद्भाव का संदेश

भारत विविधताओं वाला देश है। यहां अलग-अलग धर्म, भाषाएं, संस्कृतियां और परंपराएं हैं। गांधीजी ने हमेशा सामाजिक सद्भाव और आपसी सम्मान की बात की। उनका मानना था कि समाज में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मतभेदों को हिंसा और नफरत में बदलना किसी समस्या का समाधान नहीं है। संवाद और आपसी समझ के माध्यम से कठिन परिस्थितियों का सामना किया जा सकता है। आज के समय में जब छोटी-छोटी बातों पर समाज में तनाव देखने को मिलता है, तब एक-दूसरे के विचारों और भावनाओं का सम्मान करने का संदेश विशेष महत्व रखता है।

आज की पीढ़ी के लिए गांधीजी का संदेश

नई पीढ़ी के सामने आज चुनौतियां अलग हैं। तकनीक, सोशल मीडिया, प्रतिस्पर्धा और तेजी से बदलती जीवनशैली ने समाज को नई दिशा दी है। इसके बावजूद ईमानदारी, अनुशासन, मेहनत, सेवा, संयम और दूसरों के प्रति सम्मान जैसे मूल्यों की जरूरत आज भी बनी हुई है।

गांधीजी को याद करने का अर्थ केवल उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण करना नहीं है। उनके जीवन से जुड़े सकारात्मक मूल्यों को अपने व्यवहार में उतारना भी उनकी स्मृति को सम्मान देने का एक तरीका हो सकता है।

यदि कोई व्यक्ति सच बोलने का प्रयास करता है, किसी जरूरतमंद की सहायता करता है, अपने आसपास स्वच्छता रखता है, दूसरों के विचारों का सम्मान करता है और बिना हिंसा के अपनी बात रखने का प्रयास करता है, तो यह गांधीजी के विचारों को व्यवहार में लाने की दिशा में एक छोटा कदम माना जा सकता है।

गांधी जयंती का वास्तविक अर्थ

गांधी जयंती हमें इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय की याद दिलाने के साथ-साथ वर्तमान समाज पर विचार करने का अवसर भी देती है। गांधीजी का जीवन अनेक संघर्षों, प्रयोगों और विचारों से भरा रहा। उनके सभी विचारों को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण हो सकते हैं, लेकिन सत्य, अहिंसा, सादगी, स्वच्छता और मानव सेवा जैसे मूल्यों की चर्चा आज भी समाज में होती है।

2 अक्टूबर को गांधीजी को याद करते हुए हमें यह विचार करना चाहिए कि हम अपने व्यक्तिगत जीवन और समाज के लिए क्या बेहतर कर सकते हैं। किसी भी बड़े बदलाव का शुरुआत हमेशा बड़े स्तर से नहीं होती। कई बार एक व्यक्ति का छोटा-सा सकारात्मक कदम भी बदलाव की शुरुआत बन सकता है।

महात्मा गांधी का जीवन इसी बात की याद दिलाता है कि विचार तभी प्रभावी बनते हैं, जब उन्हें आचरण में उतारने का प्रयास किया जाए। यही गांधी जयंती के सबसे महत्वपूर्ण संदेश माना जा सकता है।

गांधीजी को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके जीवन से प्रेरणा लेकर सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, सेवा और सद्भाव जैसे मूल्यों को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाने का प्रयास करें।

गांधीजी की नीति पर सवाल क्यों?

नहीं, फैसले तक पहुंचने की प्रक्रिया भी भरोसे की कसौटी है। अर्थव्यवस्था के आंकड़े चाहे जितनी बड़ी तस्वीर दिखाएँ, नागरिक की जेब उसका सबसे सच्चा हिसाब बताती है। सर्वेक्षण में 23 प्रतिशत लोगों ने बेरोजगारी को सरकार की सबसे बड़ी असफलता माना; 15.9 प्रतिशत ने महंगाई और 13.9 प्रतिशत ने आर्थिक वृद्धि को। करीब आधे (लगभग 47 प्रतिशत) लोग सरकार के आर्थिक प्रबंधन को औसत, खराब या बहुत खराब मानते हैं। महंगाई, असमानता और बढ़ते रोजमर्रा के खर्च ने परिवारों पर कर्ज का दबाव बढ़ाया है। यहाँ सरकारी आंकड़े और नागरिक अनुभव अलग दिखाई देते हैं। जब विकास के आंकड़े बढ़ें, लेकिन नौकरी और घरेलू बजट राहत न दें, तो सवाल सिर्फ आर्थिक नीति पर नहीं, उन संस्थाओं पर भी उठता है जो ये फैसले लेती हैं।भ्रष्टाचार का सवाल उठे तो निशाना केवल व्यवस्था पर नहीं, उसके भरोसे पर लगता है। सर्वेक्षण में 43 प्रतिशत लोगों को लगता है कि मौजूदा सरकार में भ्रष्टाचार बढ़ा है। परीक्षा लोक, भर्ती विवाद, प्रशासनिक देरी और संस्थागत फैसलों पर उठते सवाल इस धारणा को मजबूत करते हैं। न्यायपालिका, प्रशासन और चुनाव तंत्र से नागरिकों की अपेक्षाएं बढ़ी हैं; लेकिन फैसला देर से मिले, प्रक्रिया अस्पष्ट हो या जवाबदेही नजर न आए तो संदेह गहराता है। यह फर्क जरूरी है कि किसी संस्था पर आरोप लगना और आरोप सिद्ध होना अलग बातें हैं, फिर भी लगातार उठते आरोप सार्वजनिक भरोसे को कमजोर करते हैं। संस्थाओं की विश्वसनीयता केवल सही निर्णय से नहीं बनती; निर्णय की पारदर्शिता, प्रक्रिया की स्पष्टता और जवाबदेही ही उसे टिकाऊ बनाती है।



मे़ष राशि: मे़ष राशि वालों आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको लोगों की मदद मिलती रहेगी, जिससे आप काफी राहत महसूस करेंगे। परिवार वालों के साथ आप खुशियों के पल बिताएंगे। इस राशि के विद्यार्थियों की अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ेगी।

वृ़ष राशि: वृ़ष राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपको कोर्ट-कचहरी के मामलों में जीत हासिल होगी। आपके मान-प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी। कारोबार में कुछ नए लोग आपसे जुड़ने की कोशिश करेंगे। ऑफिस में किसी महिला मित्र का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपको नए लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। किसी भी काम को करने से पहले बड़ों की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। बच्चे पढ़ाई के प्रति कुछ कम रुचि लेंगे। उन्हें पढ़ाई-लिखाई में विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बिजनेस में विरोधियों से आपको बचकर रहना चाहिए।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपके माता-पिता के स्वास्थ्य में सुधार आएगा। बढ़ते खर्च को कम करने के लिए नया प्लान बनाएंगे। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे। आज किसी काम को पूरा करने में कुछ समय लगेगा।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। आज घर पर अचानक मेहमानों का आगमन होगा। आज आपका ध्यान धार्मिक कार्यों की तरफ रहेगा। कार्यों में जीवनसाथी के सहयोग से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज कारोबार में आपको लाभ ही लाभ होगा। शैक्षणिक कार्यों में आपका मन लगेगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। घरेलू काम को निपटाने में आप सफल रहेंगे। भगवान राम के आशीर्वाद से आज कई योजनाएं समय से पूरी हो जाएंगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनी रहेगी। आज काम का बोझ अधिक हो सकता है, लेकिन आप किसी काम के लिए जितना ज़्यादा प्रयास करेंगे, काम उतना ही बेहतर तरीके से होगा। आज किसी अनुभवी की राय आपके लिए बेहतर साबित होगी।

वृ़श्चिक राशि: वृ़श्चिक राशि वालों आज आपका सोचा हुआ काम पूरा होगा। आसपास के लोगों से आपको सहयोग मिलेगा। आज आपकी किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी। आज व्यापार को बढ़ाने के लिए कोई फैसला लेंगे, जिसका फायदा अवश्य मिलेगा। रोजमर्रा के काम समय पर पूरे होंगे। आज आपके व्यवहार से जीवनसाथी प्रसन्न होंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आज आपका स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा। आज की गई व्यापारिक यात्रा से लाभ होगा। परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा। ऑफिस में काम को पूरा करने में पूरी तरह से आप सक्षम होंगे।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे। आज आप घर के लिए कुछ नया सामान खरीदेंगे। जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे। आज वाहन लेने के योग बन रहे हैं।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। आज आय के नए स्रोत सामने आएंगे। ऑफिस का काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से होगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। करियर में आपको सफलता मिलेगी। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए। समय से काम पूरा कर लेना बेहतर रहेगा। आज शाम को किसी पारिवारिक समारोह में जाने का मौका मिलेगा।

संजीव ठाकुर,

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही

अत्यंत आवश्यक एवं उत्तेरक अंग है। प्रेम

भावनात्मक तत्व है, जो मनुष्य को ईसान बनाता

है, संवेदना और मानवता को जागृत करता है।

ज्ञान की उत्कंठा या तार्किक क्षमता मनुष्य को

निरंतर प्रगति की ओर ले जाती है। मनुष्य के

जीवन में ज्ञान ही उसे मानवता के उत्कृष्ट शिखर

पर ले जाता है, वह मनुष्य को पशुत्व से अलग

रखता है। मनुष्य ज्ञान की अनुभूति के कारण ही

मुस्कुराता हंसता है, जबकि जानवर इसके अभाव

में मूक बना रहता है, हंसता,मुस्कुराता नहीं है,

इसलिए मुस्क्राइए, हंसीये, प्रेम करिए और ज्ञान

प्राप्ति की ओर उन्मुख रहते रहिए, तब ही जीवन

सार्थक हो सकता है। प्रेम के बिना ज्ञान और

अध्ययन मनुष्य को मशीन बना देता है। प्रेम और

ज्ञान की अलग-अलग मीमांसा की गई है। प्रेम,

ज्ञान की अपेक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है

क्योंकि प्रकृति में अधिक घृणा मिलकर

आधारभूत तत्व तो बनाता है ही,बल्कि प्रेम प्रत्येक

जीव में विद्यमान होता है। परस्पर एक दूसरे की

भाषा नासमझ पाने वाले जीव भी एक दूसरे से

प्रेम की भाषा द्वारा मधुर संवाद कर सकते हैं। प्रेम

सभी प्रकार के मानवीय बंधनों से परे है।

जबकि ज्ञान प्राप्ति को मानवता में परम स्थान

दिया गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन एवं संस्कृति

ने ज्ञान की महत्ता को महिमामंडित किया है और

ज्ञान की प्राप्ति को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति

के लिए एक आधारभूत कारण भी बताया है।

किसी मशीन अथवा कंप्यूटर को किसी भी प्रेरणा

की आवश्यकता नहीं होती वह मनुष्य द्वारा दिए

गए निर्देशों का केवल पालन करता है। मनुष्य को

प्रेरणा की आवश्यकता होती है, ताकि वह ज्ञान

अपने प्रेम को ज्ञान का जो उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत

किया हुआ अत्यंत दुर्लभ है आज संपूर्ण विश्व में

प्रभु यीशु के अनुयायियों की संख्या सर्वाधिक है।

भगवान श्रीराम ने प्रेम में वशीभूत होकर ही शबरी

के जूटे बेर भी खा लिए थे, जबकि श्री राम

सर्वाधिक ज्ञान में आदर्श मनुष्य थे।

एक अच्छे और सार्थक जीवन के लिए प्रेम

तथा ज्ञान दोनों का संबंध एवं समन्वय अत्यंत

महत्वपूर्ण पहलू हैं। अकेला ज्ञान तथा अकेला प्रेम

सदैव सार्थक नहीं हो सकता है। रावण ज्ञानी पुरुष

था किंतु विव्ध्स कारी भी था उसने प्रेम के

अभाव में सिर्फ ज्ञान के चलते अपने कुल को नष्ट

करवा दिया था। प्रेम तथा ज्ञान के सदुपयोग से

अच्छे जीवन का पथ प्रदर्शन भी किया जा सकता

है।

इससे हम केवल परिवार व्यक्ति या समाज ही

नहीं बल्कि राष्ट्र के स्तर पर भी आत्मसात कर

राष्ट्र को वैश्विक महानता की ओर ले जा सकते

हैं। वर्तमान में हम संवैधानिक प्रावधानों के

अनुरूप सामाजिक जीवन को सफलतापूर्वक

संचालित करने में सक्षम हैं। आज हमारे सामने

पर्यावरण संतुलन वैश्विक अपन गरीबी जैसी

अनेक समस्याएं मौजूद हैं। हम सभी मूक प्राणियों

वनस्पति आदि के प्रति ज्ञान का उपयोग दिखाकर

उनके साथ प्रेम पूर्वक व्यवहार कर समस्या का

समाधान कर सकते हैं। आधुनिक तकनीक से

हम सक्षम हैं। अतः प्राचीन काल से मान्यता

है कि सार्थक, सफल, एवं प्रेरणादाई जीवन

के लिए प्रेम तथा ज्ञान का समन्वय कारी

सदुपयोग एक आवश्यक तत्व है, इसके अभाव में

जीवन कितना सार्थक सफल और मार्गदर्शी नहीं

हो सकता है।

चंडीढ़ (आएनएस)। पंजाब विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले कांग्रेस में बड़ा संगठनात्मक बदलाव हुआ है। पंजाब प्रदेश कांग्रेस समिती के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह रावा वडिंज ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस हाईकमान ने प्रदेश संगठन में बदलाव का फैसला लिया था, जिसके बाद वडिंज ने इस्तीफे की पेशकश की। वडिंज ने अप्रैल 2022 में पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभाला था। सूत्रों के अनुसार, पंजाब कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट की अध्यक्षता में प्रदेश समिती के बाद नेतृत्व परिवर्तन को लेकर हाईकमान में चर्चा शुरू हुई। रिपोर्टों में प्रदेश समिती को लेकर नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिले सुझावों को शामिल किए जाने की बात सामने आई है। कुछ रिपोर्टों में मिले सुझावों में कहा गया है कि इसके बाद राहुल गांधी ने वडिंज से फोन पर बात की और उन्हें पद छोड़ने के लिए कहा गया। हालांकि, यह जानकारी पार्टी सूत्रों के हवाले से है। वहीं इस्तीफे को लेकर वडिंज ने कहा, 'मैं अपनी सभी वॉक करके लौटे हैं और नहाने व फेशा होने के बाद इस बारे में जानकारी देंगे। रावा वडिंज के बाद पंजाब कांग्रेस के नए अध्यक्ष के रूप में पूर्व प्रभारी विजयवंदर सिंगला का नाम प्रमुखता से सामने आया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, हाईकमान की एक सेटिंगला के नाम पर चर्चा करीब चार चुका है और अगले एक-दो दिनों में नए अध्यक्ष के नाम का घोषणा हो सकती है। कुछ रिपोर्टों में 2 अक्टूबर को घोषणा की संभावना जताई गई है हालांकि, सिंगला के अलावा परगत सिंह, सुखबिंदर सिंह रंधावा, सुखबिंदर सिंह सरकारिया और अन्य नेताओं के नाम भी चर्चा में बनाए जा रहे हैं। वहीं, नए प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चाओं के बीच विजयवंदर सिंगला ने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने सबसे अधिक के जरिए ही पता चला कि उनका नाम कबसे आगे चल रहा है।

शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

विदेश समाचार

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर फिर की एयरस्ट्राइक, कुनार-हेलमंद में बरसाए बम; 9 की मौत-11 घायल



काबुल (ए.) । अफगानिस्तान के कुनार और हेलमंद प्रांत में पाकिस्तानी विमानों द्वारा एक बार फिर हवाई हमले किए जाने का दावा किया गया है। अफगानिस्तान के प्रवक्ता के मुताबिक, नागरिक घरों को निशाना बनाकर की गई बमबारी में महिलाओं और बच्चों समेत 9 लोगों की मौत हुई है, जबकि 11 अन्य घायल हुए हैं। हमलों में तीन घरों के तबाह होने की भी बात कही गई है।अफगानिस्तान के तालिबान प्रवक्ता अबीदुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि रात पाकिस्तानी विमानों ने कुनार के शेल्टन जिले के चोगाम इलाके और हेलमंद के गरमसिर जिले के सफर इलाके में नागरिक घरों पर बमबारी की। उन्होंने कहा कि हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत 9 लोगों की मौत हुई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं।एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय सूत्रों ने बताया कि गुरुवार तड़के करीब 3 बजे कुनार के शेल्टन जिले की चोगाम घाटी में एक नागरिक के घर को निशाना बनाकर बमबारी की गई।

फलाईदुबई में कैप्टन स्मित मच्छार का इलाज करने वाले इजरायली दंत चिकित्सक ने भयावह आपबीती बताई

ताबुक, (ए.) । दुबई से तेल अवीव जा रही फलाईदुबई की उड़ान में बुधवार को हुई हिंसक घटना के दौरान विमान को दुर्घटनाग्रस्त होने से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार खुद भी गंभीर रूप से घायल हो गए। सह-पायलट के साथ हुई झड़प में घायल होने के बाद उन्हें सऊदी अरब के ताबुक स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के दौरान विमान में मौजूद एक इजरायली दंत चिकित्सक ने खून से लथपथ कैप्टन का प्राथमिक उपचार किया। कैप्टन मच्छार का उपचार करने वाले दंत चिकित्सक डॉ. शोता मोसेव ने बताया कि हमले के बाद पायलट की हालत गंभीर थी। उनके सिर और हाथों में गहरे घाव थे और काफी रक्तस्राव हो रहा था। मोसेव के अनुसार, मच्छार के शरीर पर कई गहरे घाव थे और सिर तथा हाथ बुरी तरह कट गए

थे। अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उनकी स्थिति गंभीर हो गई थी।डॉ. मोसेव ने बताया कि वह दुबई-तेल अवीव उड़ान में मौजूद एकमात्र चिकित्सक थे। घटना के दौरान जब उन्होंने चीखें सुनीं तो वह तुरंत कॉकपिट की ओर पहुंचे। वहां घायल कैप्टन को देखकर उन्होंने तत्काल प्राथमिक उपचार शुरू किया। उस समय विमान में मौजूद अन्य यात्री हमलावर को काबू करने का प्रयास कर रहे थे।मोसेव के मुताबिक, उपचार के दौरान कैप्टन मच्छार का रक्तचाप लगातार गिरने लगा और कुछ समय बाद वह बेहोश हो गए। चिकित्सक ने रक्तस्राव रोकने के लिए तत्काल उपचार किया और उनके रक्तचाप को और गिरने से रोकने में सफलता हासिल की।

मनोरंजन

बिना शादी मां बनना चाहती है क्रिस्टल डिसूजा ? एग्स फ्रीजिंग कराने की इच्छा जताई



टेलीविजन जगत की लोकप्रिय अभिनेत्री और रियलिटी शो स्टार क्रिस्टल डिसूजा ने भविष्य में मां बनने को लेकर अपनी इच्छा जाहिर की है। 36 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा है कि वह अपने अंडाणुओं को सुरक्षित रखने के विकल्प पर विचार कर रही हैं। हालांकि, उन्होंने अभी तक शादी नहीं की है और यह स्पष्ट किया कि उनकी पहली इच्छा स्वाभाविक रूप से मां बनने की है। यदि ऐसा संभव नहीं हो पाता है तो अंडाणु सुरक्षित रखना भविष्य के लिए एक विकल्प हो सकता है।क्रिस्टल ने मातृत्व को लेकर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यदि कोई महिला भविष्य में अपने बच्चे चाहती है या किसी कारण से मातृत्व में देरी करना चाहती है तो अंडाणु सुरक्षित रखना एक विकल्प हो सकता है। उन्होंने कहा कि वह खुद भी इस प्रक्रिया के बारे में सोच रही हैं।।अभिनेत्री ने यह नहीं कहा कि वह बिना शादी के मां बनने की योजना बना रही हैं। उन्होंने केवल भविष्य में मां बनने की अपनी इच्छा और इसके लिए उपलब्ध विकल्पों के बारे में बात की। उनका कहना है कि वह चाहती हैं कि उनके बच्चे स्वाभाविक

रूप से हों, लेकिन परिस्थितियां अनुकूल नहीं रहने पर अंडाणु सुरक्षित रखने का विकल्प मौजूद रहेगा।क्रिस्टल ने बच्चों को गोद लेने के विकल्प पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को अपने जैविक बच्चे नहीं चाहिए तो गोद लेना भी परिवार बनाने का अच्छा माध्यम है। दुनिया में ऐसे कई बच्चे हैं जिन्हें परिवार और बेहतर जीवन देने के लिए गोद लिया जा सकता है।अंडाणु सुरक्षित रखने के बढ़ते चलन पर उन्होंने कहा कि आजकल महिलाएं अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस विकल्प पर विचार कर रही हैं। उनके अनुसार, यदि कोई महिला आगे चलकर अपने बच्चे चाहती है, लेकिन फिलहाल इसके लिए तैयार नहीं है, तो अंडाणुओं को सुरक्षित रखना एक विकल्प हो सकता है। क्रिस्टल ने अपनी इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि वह एक दिन खुद के बच्चे चाहती हैं और उम्मीद करती हैं कि वह स्वाभाविक रूप से मां बनेंगी। हालांकि, यदि ऐसा नहीं हो पाता है तो अंडाणु सुरक्षित रखने की तकनीक उनके लिए एक विकल्प रहेगी।टेलीविजन जगत में इससे पहले भी कई चर्चित अभिनेत्रियों और हस्तियों द्वारा अंडाणु सुरक्षित रखने के बारे में सार्वजनिक रूप से बात की जा चुकी है। बढ़ती उम्र के साथ मातृत्व की योजना बनाने वाली महिलाओं के बीच यह प्रक्रिया चर्चा का विषय बनी हुई है।

सेब बनाम नाशपाती: इनमें से कौन सा फल है अधिक हाइड्रेटिंग ? जानिए

सेब और नाशपाती दोनों ही ऐसे फल हैं जो बहुत सारे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, लेकिन अक्सर लोग यह सोचते हैं कि इनमें से किसका सेवन शरीर को अधिक पानी पहुंचाने में मददगार होता है, खासकर गर्मियों में जब शरीर को अधिक पानी की जरूरत होती है। इस लेख में हम इन दोनों फलों की विशेषताओं की तुलना करेंगे ताकि आप सही चयन कर सकें और अपने शरीर को भरपूर पानी दे सकें।

सेब की विशेषताएं

सेब में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो इसे गर्मियों के लिए एक अच्छा फल बनाता है। एक मध्यम आकार का सेब लगभग 85 प्रतिशत पानी से भरा होता है।

इसके अलावा इसमें विटामिन-सी, फाइबर और ऐसे तत्व होते हैं जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। सेब का सेवन करने से पाचन तंत्र भी स्वस्थ रहता है और यह वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।

नाशपाती भी पानी से भरपूर फल है, जिसमें



लगभग 84 प्रतिशत पानी होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन-सी, विटामिन-के और पोटेशियम जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं।

नाशपाती का सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और शरीर को साफ रखने में मदद मिलती है। इसके फाइबर युक्त गुण पाचन

को स्वस्थ रखते हैं और कब्ज की समस्या से राहत दिलाते हैं।

सेब और नाशपाती में अंतर

सेब और नाशपाती दोनों में पानी की मात्रा लगभग समान होती है, लेकिन सेब में फाइबर की

वीर पहाड़िया की ‘इश्क का गुलाम’ को सौंदर्या शर्मा का डांस शाउटआउट, ‘प्रेम कीटाणु’ की रिलीज से पहले बढ़ा बज़

वीर पहाड़िया की अपकमिंग फिल्म प्रेम कीटाणु का म्यूजिक पहले से ही दर्शकों के बीच चर्चा में बना हुआ है और अब इसमें एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा भी फिल्म के पॉपुलर ट्रैक इश्क का गुलाम की एक्साइटमेंट में शामिल हो गई हैं।



मिल रहे रिसॉन्स के बीच सौंदर्या के डांस वीडियो ने गाने और फिल्म को लेकर बन रहे बज़ को और बढ़ा दिया है।वीर पहाड़िया स्टारर प्रेम कीटाणु में रोमांस, यंग एनर्जी और ड्रामा का मिश्रण देखने को मिलेगा। रिलीज डेट नजदीक आने के साथ फिल्म के गाने और वीर की मौजूदगी दर्शकों का ध्यान लगातार अपनी ओर खींच रही है और 2 अक्टूबर को फिल्म की रिलीज को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

गौरतलब है कि सौंदर्या शर्मा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक डांस वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह इश्क का गुलाम गाने पर अपने डांस मूव्स दिखाती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में वीर पहाड़िया को टैग करते हुए उन्हें शुभकामनाएं देते हुए लिखा है, लाल परी भी हुई, इश्क का गुलाम और इसके साथ ही उन्होंने आगे लिखा है, ये तुम्हारे लिए है, अब और इंतज़ार नहीं कर सकती। ढेर सारी शुभकामनाएं।

फिलहाल सौंदर्या शर्मा का यह डांस वीडियो ऐसे समय में आया है, जब वीर पहाड़िया प्रेम कीटाणु की रिलीज की तैयारियों में जुटे हैं। फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। सोशल मीडिया पर इश्क का गुलाम को

दैनिक क्षितिज किरण 6

अमेरिका में ग्रीन कार्ड अब और महंगा, EB-5 की फीस में भारी बढ़ोतरी; भारतीयों पर पड़ेगा सीधा असर



न्यूयॉर्क (ए.) । अमेरिका में निवेश के जरिए ग्रीन कार्ड हासिल करने की योजना बना रहे भारतीयों के लिए अहम बदलाव होने जा रहा है। अमेरिकी नागरिकता एवं आब्रजन सेवा (USCIS) ने EB-5 इमीग्रेंट इन्वेस्टर प्रोग्राम के तहत कई शुल्कों में भारी बढ़ोतरी की मंजूरी दी है। नए नियम 30 नवंबर 2026 से लागू होंगे। इससे अमेरिका में निवेश के जरिए स्थायी निवास हासिल करने की कोशिश कर रहे भारतीय निवेशकों और उनके परिवारों की इमिग्रेशन लागत बढ़ जाएगी।

EB-5 प्रोग्राम के तहत खुद निवेश करने वाले आवेदकों के लिए फॉर्म I-526 की फीस 3,675 डॉलर से बढ़ाकर 7,615 डॉलर कर दी गई है। वहीं, रीजनल सेंटर के जरिए निवेश करने वाले आवेदकों के फॉर्म I-526F की फीस 3,675 डॉलर से बढ़कर 7,850 डॉलर हो जाएगी। इन दोनों शुरुआती याचिकाओं पर 75 डॉलर की अतिरिक्त टेक्नोलॉजी फीस भी लागू होगी। ग्रीन कार्ड पर लगी शर्तों की हटाने के लिए दाखिल किए जाने वाले फॉर्म I-829 की फीस भी बढ़ाई गई है। यह फीस 3,750 डॉलर से बढ़कर 5,000 डॉलर हो जाएगी।

रीजनल सेंटर की फीस में भी बड़ा इजाफा

नए नियमों के तहत रीजनल सेंटर से जुड़ी फीस में भी बड़ी बढ़ोतरी होगी। फॉर्म I-956 के जरिए रीजनल सेंटर की मान्यता के लिए फीस 17,795 डॉलर से बढ़कर 44,115 डॉलर हो जाएगी। वहीं, फॉर्म I-956F की फीस बढ़ाकर 42,675 डॉलर कर दी गई है।

USCIS के अनुसार, एजेंसी अपनी गतिविधियों का बड़ा हिस्सा आवेदन फीस से मिलने वाले राजस्व के जरिए संचालित करती है। इसमें आवेदनों की जांच, पृष्ठभूमि की जांच, पात्रता का सत्यापन और धोखाधड़ी रोकने जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं।

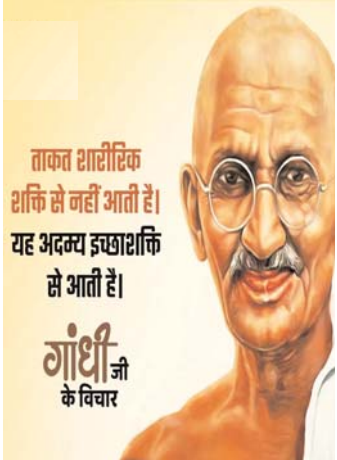
10.5 लाख डॉलर तक का निवेश जरूरी

श्रद्ध-5 कार्यक्रम के तहत विदेशी निवेशक

अमेरिका में किसी योग्य कारोबारी परियोजना में निवेश करके और कम से कम 10 पूर्णकालिक नौकरियां पैदा करके स्थायी निवास के लिए पात्र बन सकते हैं। मौजूदा नियमों के तहत सामान्य निवेश की न्यूनतम राशि 10.5 लाख डॉलर है, जबकि लक्षित रोजगार क्षेत्र या इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना में न्यूनतम 8 लाख डॉलर का निवेश करना होता है। इस कार्यक्रम में निवेशक के साथ उसके पति या पत्नी और पात्र बच्चे भी ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत से श्रद्ध-5 कार्यक्रम के लिए मांग बढ़ी है। इसके चलते भारतीय आवेदकों के लिए बैकलॉग भी बना हुआ है, जिससे ग्रीन कार्ड हासिल करने के लिए प्रतीक्षा अवधि प्रभावित हो सकती है। ऐसे में आवेदन फीस में हुई बड़ी बढ़ोतरी से भारतीय निवेशकों की कुल इमिग्रेशन लागत और बढ़ने की संभावना है।हालांकि, फीस में बदलाव के बावजूद निवेश की मूल पात्रता, न्यूनतम निवेश राशि और रोजगार सृजन जैसी शर्तें अपने संबंधित नियमों के तहत लागू रहेंगी।

नेपाल में पेट्रो पदार्थ की कीमत यथावत

काठमांडू, (ए.) । नेपाल आयल निगम ने बताया है कि भारत से पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत बढ़कर आने के बावजूद नेपाल में इनके दाम फिलहाल यथावत रखे गए हैं। निगम के अनुसार, भोटेकोशी में आई असाधारण बाढ़ और भूस्खलन से पैदा हुई परिस्थितियों, आगामी त्योहारों और उपभोक्ताओं के हित को ध्यान में रखते हुए कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई है।की आज जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि बीती रात इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन से नई खरीद कीमत प्राप्त हुई। इसके अनुसार पेट्रोल की कीमत में 20 रुपये 44 पैसे प्रति लीटर, डीजल में 20 रुपये 21 पैसे, मिट्टी के तेल में 15 रुपये 96 पैसे और विमान ईंधन में 18 रुपये 66 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हुई है।इसी तरह खाना पकाने वाली एलपीजी गैस की कीमत 81 रुपये 32 पैसे प्रति सिलेंडर बढ़कर आई है। इसके बावजूद नेपाल में गैस की मौजूदा कीमत भी यथावत रखी गई है। निगम ने बताया कि भारत से कीमतें बढ़कर आने के बावजूद नेपाल में मौजूदा कीमतों को बनाए रखने से उसे हर पखवाड़े 3 अरब 20 करोड़ 38 लाख रुपये का घाटा होगा।निगम के मुताबिक, भोटेकोशी बाढ़ और भूस्खलन से उत्पन्न असाधारण परिस्थितियों के साथ-साथ आगामी त्योहारों और उपभोक्ताओं के हित को देखते हुए फिलहाल पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।



व्यक्ति की पहचान उसके कपड़ों से नहीं उसके चरित्र से होती है

- महात्मा गांधी

हमें हमेशा सही काम ही करना चाहिए। हो सकता है हमारे बस में ये न हो कि फल क्या मिलेगा, लेकिन इसका ये अर्थ नहीं है कि हम सही काम करना ही छोड़ दें।

- महात्मा गांधी

ऐसे जिएं कि जैसे आपको कल मरना है और सीखें ऐसे जैसे आपको हमेशा जीवित रहना है

- महात्मा गांधी

कमजोर कभी क्षमाशील नहीं हो सकता है। क्षमाशीलता ताकतवर की निशानी है।

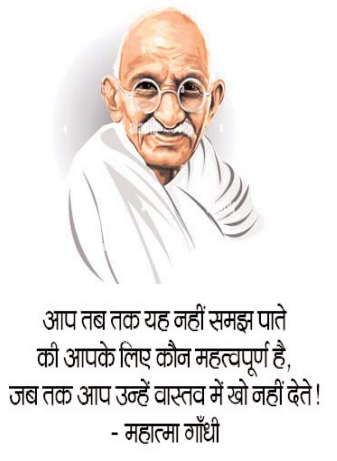
गांधी जी के विचार

हमारे विचार ही सबकुछ हैं, व्यक्ति जैसा सोचता है, वैसा बन जाता है।

- महात्मा गांधी

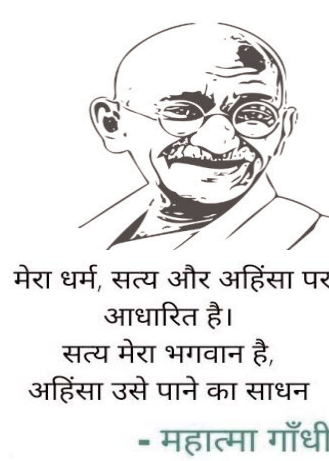
व्यक्ति अपने विचारों के सिवाय कुछ नहीं है। वह जो सोचता है, वह बन जाता है।

गांधी जी के विचार



व्यक्ति अपने विचारों के सिवाय कुछ नहीं हैं, वह जो सोचता है, वही बन जाता है!

- महात्मा गाँधी!



"खुशी तब मिलेगी, जब आप जो सोचते हैं, जो कहते हैं, और जो करते हैं, उसमें सामंजस्य हो।"

-महात्मा गांधी

"आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी."

- महात्मा गांधी

सुविचार भूल करने में पाप तो है ही, परन्तु उसे छुपाने में उससे भी बड़ा पाप है।

-महात्मा गांधी

गांधी जी के सुविचार

जो अंतर को देखता है, बाह्य को नहीं, वही सच्चा कलाकार है।

महात्मा गाँधी

"खुशी तब मिलेगी, जब आप जो सोचते हैं, जो कहते हैं, और जो करते हैं, उसमें सामंजस्य हो।"

-महात्मा गांधी

दूसरों को प्रेरित करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप खुद वह बनें जो आप उन्हें बनते देखना चाहते हैं।

-महात्मा गांधी

व्यक्ति अपने विचारों से निर्मित प्राणी है वह जो सोचता है वही बन जाता है

व्यक्ति की पहचान उसके कपड़ों से नहीं उसके चरित्र से होती है.

- महात्मा गांधी

आप तब तक यह नहीं समझ पाते की आपके लिए कौन महत्वपूर्ण है, जब तक आप उन्हें वास्तव में खो नहीं देते!

- महात्मा गाँधी

जो समय बचाते हैं, वे धन बचाते हैं और बचाया हुआ धन, कमाए हुए धन के बराबर है।

-महात्मा गांधी

बापू की बातें

जन्मि अथवा समाज धर्म के सहारे जीवित रहता है, और धर्म से तट हो जाता है। सत्य के सहारे किया अर्थ-संग्रह अर्थीत व्यापार प्रथा का पोषण करता है। समाज के विचार से रहित व्यापार प्रथा का नाश करता है। इस बात के अनेक दृष्टांत दिग्ने जा सकते हैं कि असत्य से, छल-कपट से अर्जित लाभ क्षणिक है और अंत में वह हानिकारक है ही।

(आर.एस.३३) महर्षि ने अस्ति विवेक श्रुति: संस्कृत (३-३३)

खेल समाचार

एशियन गेम्स : गणेश मणि रत्नम ने पुरुषों के कंपाउंड व्यक्तिगत इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता

ओकाजाकी (आरएनएस)। भारतीय कंपाउंड आर्चर गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु ने गुरुवार को पुरुषों के व्यक्तिगत इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उनकी सफलता के बाद आर्चरी में भारत के पदकों की संख्या चार हो गई है। गणेश ने ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्स स्क्वायर में वियतनाम के कांग डुक डांग को 149-144 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। गणेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 बार 10 का स्कोर किया और लगातार तीन बार 10 के साथ 149 का स्कोर बनाकर अपने प्रतिद्वंद्वी से बढ़त बना ली। आइची-नागोया में यह उनका दूसरा मेडल है। इससे पहले बुधवार को उन्होंने पुरुषों की टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था। भारत ने कंपाउंड आर्चरी प्रतियोगिता का समापन टीम इवेंट में तीन गोल्ड मेडल और व्यक्तिगत इवेंट में एक ब्रॉन्ज मेडल के साथ किया।

इससे पहले, भारत की चिकिथा तनिपार्थी क्वार्टर-फाइनल में इंडोनेशिया की नुरिसा डियान अशरीफाह से 144-143 के करीबी अंतर से हारकर महिलाओं के कंपाउंड व्यक्तिगत इवेंट से बाहर हो गई।

शुरुआती दो राउंड में चिकिथा पीछे थीं, लेकिन तीसरे राउंड में उन्होंने वापसी करते हुए बढ़त बना ली। हालांकि, आखिरी राउंड में 8, 9, 10 का स्कोर भारी पड़ा, क्योंकि नुरिसा ने 10, 10, 9 का स्कोर करके मुकाबला जीत लिया।

आइची-नागोया 2026 में व्यक्तिगत कंपाउंड इवेंट्स की दोनों कैटेगरी में भारत हांगझोक 2023 में जीते गए अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने में नाकाम रहा। पिछले एशियन गेम्स में भारतीय कंपाउंड आर्चर्स ने सभी पांच गोल्ड मेडल जीते थे।

चिकिथा ने एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं की टीम इवेंट में गोल्ड और मिक्स्ड टीम का खिताब जीतने के साथ-साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक कोटा भी हासिल किया। बुधवार को चिकिथा, पृथिका प्रदीप और ज्योति सुरेशा वेन्नम की भारतीय कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने चीन को 238-234 से हराकर अपना गोल्ड मेडल बरकरार रखा। भारत ने इस इवेंट में 2018 में सिल्वर और 2014 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

चिकिथा ने साहिल जाधव के साथ मिलकर कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट का भी गोल्ड मेडल जीता। इस जीत से भारत को लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट के लिए कोटा भी मिल गया, जहां यह खेल पहली बार ओलंपिक में शामिल होगा।

एशियन गेम्स 2026: ईशान किशन के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि, मनीष पांडे का तोड़ा 8 साल पुराना रिकॉर्ड

नागोया,(आरएनएस)। एशियन गेम्स 2026 में भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 169 रन बनाए। ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए मनीष पांडे का 8 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सेमीफाइनल मुकाबले में ईशान के बैटिंग ऑर्डर में बदलाव किया गया और वह तीन विकेट गिरने के बाद मैदान पर उतरे। ईशान शुरुआत से ही बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 46 गेंदों का सामना करते हुए 80 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज ने 4 चौके और 5 छक्के लगाए। ईशान भारत की ओर से नंबर पांच या उससे नीचे की बैटिंग पोजीशन पर बल्लेबाजी करते हुए टी20 इंटरनेशनल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। ईशान ने मनीष पांडे का 8 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मनीष ने साल 2018 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 79 रनों की नाबाद पारी खेली थी। ईशान सेमीफाइनल में भारतीय टीम के संकटमोचक साबित हुए और वह एक छोर को लगातार संभालकर खड़े रहे। ईशान के अलावा, भारत की ओर से वैभव सूर्यवंशी भी अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने 21 गेंदों में 38 रनों का योगदान दिया। वैभव ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 2 छक्के लगाए।

हालांकि, अभिषेक शर्मा (7 रन) और संजू सैमसन (7 रन) बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके।

कप्तान श्रेयस अय्यर का बल्ला भी खामोश रहा और वह 13 गेंदों का सामना करने के बाद 13 रन ही बना सके। उपकप्तान तिलक वर्मा 4 गेंदों का सामना करने के बाद 2 रन ही बना सके, जबकि शिवम दुबे सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हुए। वॉशिंगटन सुंदर 3 गेंदों में 7 रन बनाकर नाबाद रहे। श्रीलंका की तरफ से गेंदबाजी में थारिन्दु रथनायके ने 32 रन खर्च करके 2 विकेट चटकाए। वहीं, कप्तान साहन अराचिगे ने 28 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए।

हॉकी फाइनल में भारत की एंट्री, आखिरी मिनट में पाकिस्तान को 4-3 से पीटा, दर्ज की रोमांचक जीत

नई दिल्ली (ए.)। भारत ने एशियन गेम्स 2026 के पुरुष हॉकी सेमीफाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 4-1 से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। दोनों टीमों के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और आखिरी क्षणों तक पाकिस्तान ने भारतीय टीम पर दबाव बनाए रखा। मैच में करीब 50 सेकंड का खेल बाकी था, तभी अभिषेक ने शानदार गोल कर भारत की जीत पक्की कर दी।मैच के अंतिम क्षणों में पाकिस्तान के पास वापसी का एक मौका भी आया, लेकिन गूटर बजने के साथ उसका मिस्ड ट्रेप भारत के खिलाफ बराबरी का अवसर खत्म कर गया। इस जीत के साथ गत चैंपियन भारत अब एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक मुकाबले में उतरेगा। भारत के लिए गोल्ड जीतना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एशियन गेम्स की पुरुष हॉकी प्रतियोगिता का स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करेगी। ऐसे में भारतीय टीम अब फाइनल में भी अपना दबदबा कायम रखते हुए स्वर्ण पदक हासिल करने के इरादे से उतरेगी।

पहले क्वार्टर में भारत का दबदबा

मुकाबले की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने पाकिस्तान पर दबाव बनाया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। शुरुआती प्रयासों में सफलता नहीं मिलने के बाद हरमनप्रीत ने शानदार ड्रैग फिलक के जरिए पाकिस्तान के गोलकीपर को छकाया। पहले क्वार्टर के अंतिम हिस्से में भारत ने अपनी बढ़त मजबूत की और 2-0 की बढ़त के साथ पाकिस्तान पर दबाव बढ़ा दिया। हरमनप्रीत का यह एशियन गेम्स 2026 में दसवां गोल रहा।

एशियन गेम्स 2026 : श्रीलंका को 124 रन से रैंदकर फाइनल में पहुंचा भारत, पाकिस्तान से होगी भिड़ंत

जापान ,(आरएनएस)। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को 124 रन के बड़े अंतर से हराया। अब गोल्ड मेडल के लिए भारतीय टीम का सामना पाकिस्तान से होगा। पाकिस्तान ने पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 6 विकेट से मात देकर फाइनल का टिकट कटायी। भारत ने बनाए 169 रन निशान में खेले गए सेमीफाइनल में श्रीलंका ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 169 रन का स्कोर खड़ा किया।भारत की ओर से ईशान किशन ने नाबाद 80 रन की शानदार पारी खेली। वहीं, वैभव सूर्यवंशी ने महज 21 गेंदों में 38 रन बनाकर टीम के स्कोर को तेजी से आगे बढ़ाया।

170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की पारी भारतीय गेंदबाजों के सामने पूरी तरह लड़खड़ा गई। पूरी टीम महज 9.5 ओवर में 45 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका के 6 बल्लेबाज अपना खाता तक नहीं खोल सके। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और अभिषेक शर्मा ने 2-2 विकेट हासिल किए।



सुखजीत के गोल से भारत को मिली बढ़त

दूसरे क्वार्टर में भारत ने अपना तीसरा गोल किया। शिलानंद लाकड़ा ने सर्कल के बीच सुखजीत सिंह को बेहतरीन पास दिया। सुखजीत ने तेजी से प्रतिक्रिया करते हुए गेंद को पाकिस्तान के गोल में पहुंचा दिया। हालांकि क्वार्टर खत्म होने से पहले पाकिस्तान ने वापसी की। पेनल्टी कॉर्नर के जरिए पाकिस्तान के कप्तान अबू महमूद ने गोल कर भारत की बढ़त को कम कर दिया।

ICC के 6 नए नियम लागू: बल्लेबाज ने त्त गंवाया तो मिलेंगे 5 पेनल्टी रन



खिलाड़ी के खिलाफ आचार संहिता के तहत भी कार्रवाई हो सकती है।

दिन के टेस्ट में पिंक बॉल का दायल्व खराब रोशनी (Bad Light) के कारण खेल रुकने और मैच प्रभावित होने की समस्या से निपटने के लिए अब दोनों टीमों की आपसी सहमति से दिन में गेंदबाजी करने वाली विरोधी टीम को 5 पेनल्टी रन दिए जाएंगे। बार-बार जानबूझकर खेल की गति धीमी करने पर

के बाद गेंद का रंग नहीं बदला जा सकेगा। महिला और जूनियर क्रिकेट में गेंद के सख्त नियम: महिला और जूनियर क्रिकेट में गेंद के आकार और वजन को लेकर नियम कड़े कर दिए गए हैं। खेल की निष्पक्षता और खिलाड़ियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अब पुरुष, महिला और जूनियर क्रिकेट तीनों श्रेणियों के लिए गेंद के अलग-अलग आकार और वजन के सटीक मानक निर्धारित किए गए हैं।

ओवरश्रो की परिभाषा हुई स्पष्ट: मैदान पर ओवरश्रो को लेकर स्थिति पूरी तरह साफ कर दी गई है। अब यदि कोई फील्डर रन रोकने या रन आउट करने के इरादे से स्टंप्स की दिशा में श्रो फेंकता है और वह चूक जाता है, तभी उसे ओवरश्रो माना जाएगा। केवल गेंद रोकने या साथी फील्डर को पास देने के प्रयास में हुई मिसफील्ड को ओवरश्रो का दर्जा नहीं दिया जाएगा।गेंद कब स्थिर (डेड) मानी जाएगी: गेंद के खेल में रहने या स्थिर होने का निर्णय लेने के लिए अंपायरों को अधिक अधिकार दिए गए हैं। गेंद को स्थिर मानने के लिए अब उसका गेंदबाज या विकेटकीपर के हाथों में होना जरूरी नहीं होगा, बल्कि अंपायर अपने विवेक से तय करेंगे कि गेंद का खेल खत्म हो चुका है या नहीं। यह नियम मैच के बेहद करीबी पलों में अहम भूमिका निभाएगा।

रन आउट और स्टंपिंग में पूरा कंट्रोल जरूरी: रन आउट और स्टंपिंग के नियमों को और सख्त कर दिया गया है। नए नियम के अनुसार, यदि कोई फील्डर या विकेटकीपर गेंद पकड़कर गिर्झिया बिखेरता है, तो उसके हाथों में गेंद पर पूरा नियंत्रण होना अनिवार्य होगा। केवल उंगलियों या हाथ से गेंद को छूने और उसी दौरान स्टंप गिर जाने पर बल्लेबाज को आउट नहीं करार दिया जाएगा।

नानपा सोसायटी में खाद वितरण में धांधली की कलेक्टर तक पहुंची शिकायत

पूर्व में भी सोसायटी से संबंधित अनेक मामलों की होती रही है जांच



नर्मदापुरम (निप्र)। नानपा सोसायटी में खाद वितरण में धांधली की शिकायत कलेक्टर तक पहुंची है। कलेक्टर द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है? किसानों का इसका इंतजार है। पूर्व में भी इस सोसायटी के प्रमुख कर्ता धर्ता से संबंधित जांच होना तथा जांच में गड़बड़ी पाई जाना सामने आती रही है। जुलाई अगस्त में भी यह बात सामने आई थी कि समिति के द्वारा की गई गेहूं खरीदी में बड़ी मात्रा में अनाज सड़ा पाया गया था। जांच अधिकारियों ने कारण बताया नोटिस भी थमाया था। उससे पूर्व में मूंग खरीदी की जांच करने गए कृषि अधिकारियों

ने समिति के खरीदी केंद्र पर मूंग में कचरा होना पाया था। जिससे इस समिति को डिफाल्टर करार दिया था। फिर ऐसी कौनसी बात हो जाती है जांच कर्ताओं को कौनसा पहाड़ा पढ़ाया जाता है कि वे समिति के सामने घुटने टेक कर फिर से उसी समिति को वही जरूरी आवश्यक खरीदी जैसा कार्य तथा खाद वितरण करवाना पड़ता है। अब एक ताजा उदाहरण सामने आया है कि ग्राम खरखेड़ी के जागरूक किसान लक्ष्मण गौर को मजबूर होकर खाद से संबंधित शिकायत कलेक्टर सोमश मिश्रा को करनी पड़ी है। शिकायत में कलेक्टर को अवगत कराया

गया है कि डोलरिया तहसील की नानपा सोसायटी के द्वारा .डीएपी खाद वितरण में धांधली की जा रही है। समिति की मनमानी से किसान परेशान हैं। मजबूर होकर किसान लक्ष्मण गौर ने बताया कि उसने 29.09.2026 को उसके तथा उसके परिवार के तीन टोकन कटवाए थे। तीनों टोकन में डीएपी की संख्या 13 बोरो है जो कि सेवा सहकारी समिति नानपा से प्राप्त होना था। उन्होंने 30.09.2026 को अपने टोकन सेवा सहकारी समिति नानपा में जमा किए जो कि उसी दिन मुझसे ओटोपी मांग कर स्केन किया तथा मुझसे साइन कराकर बितरण का बिल भी दे दिया लेकिन भीड़ के कारण मुझे खाद प्राप्त नहीं हुआ। जब निरंतर संपर्क करते हुए 01.10.2026 को खाद लेने गया तो मुझसे सेवा सहकारी समिति नानपा के कर्मचारियों ने कहा खाद तो खत्म हो गया है अब अगली बार मिलेगा। इस प्रकार की मनमानी के चलते उसके हिस्से का खाद किसको वितरण कर दिया गया यह जांच का विषय है।

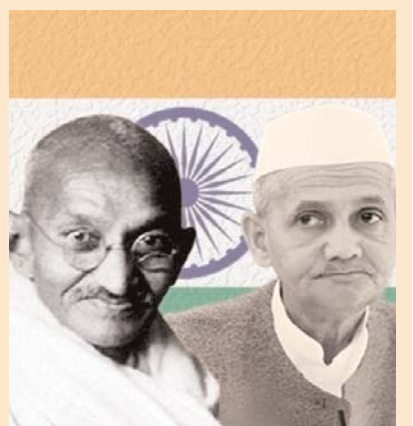
हालांकि जांच करने वालों पर भी कितना विश्वास किया जाए। जांच करने वाले भी समिति के जादू में प्रभावित होकर ऐसी बेतुकी जांच करते हैं जिससे समिति का बाल बांका नहीं हो पाता है। सवाल उठ रहा है कि समिति के कर्ता धर्ता की मनमानी आखिर कब तक चलती रहेगी? शासन प्रशासन में बैठे लोग कब तक ऐसा तमाशा देखते रहेंगे? उसका पक्ष कब तक लेते रहेंगे? ऐसे में शिकायत करने वालों का भी मनोबल कमजोर होता जाएगा। मनमानी बढ़ती जाएगी।

बेटियों के लिए शुरु हुई पुलिस भर्ती की निशुल्क कोविंग, 3 माह तक चलेगा सशक्त वाहिनी अभियान



नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत 1 अक्टूबर 2026 को शासकीय गृह विज्ञान कन्या महाविद्यालय में सशक्त वाहिनी अभियान की निशुल्क मार्गदर्शन कक्षाओं का शुभारंभ हुआ इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष नीतू यादव, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास आशीष सिंह, सहायक संचालक संजय कुमार जैन, प्राध्यापक हर्षा चाचाने, रागिनी अहिरवार सहित महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं। अभियान के तहत पंजीकृत बालिकाओं एवं युवतियों को प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी विषय विशेषज्ञों द्वारा कराई जाएगी। कक्षाएं 3 माह तक महाविद्यालय में ही संचालित होंगी। इस दौरान नगरपालिका अध्यक्ष द्वारा बालिकाओं को अध्ययन सामग्री भी वितरित की गई।

आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की मनेगी जयंती



नर्मदापुरम (निप्र)। कांग्रेस कमेटी द्वारा पूर्व वर्षों की तरह 2 अक्टूबर शुक्रवार को विश्व अहिंसा दिवस के अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई जाएगी। नगर पालिका में प्रतिपक्ष नेता अनोखे लाल राजोरिया ने बताया कि गांधी प्रतिमा गांधी चौक जिला अस्पताल के सामने प्रातः 9.30 बजे से जयंती कार्यक्रम शुरू हो जाएगा। उन्होंने सभी कांग्रेस साथियों और नागरिकों से महापुरुषों की जयंती कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत पचमढ़ी में मैराथन आयोजित

“स्वस्थ जीवनशैली का संकल्प लेकर दौड़ें सैकड़ों नागरिक”

नर्मदापुरम (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पचमढ़ी में सेवा, स्वास्थ्य और जनभागीदारी की भावना को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक भव्य मैराथन का आयोजन किया गया। विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साड़ा) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में सांसद दर्शन सिंह चौधरी, क्षेत्रीय विधायक ठाकुरदास नागवंशी एवं कलेक्टर सोमेश मिश्रा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही पूर्व साड़ा अध्यक्ष कमल धूत, छावनी परिषद के नामित सदस्य संजय लेडवानी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सहभागिता की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, एसडीएम आकिफ खान एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा अधिकारीगण भी मौजूद रहे।मैराथन के माध्यम से नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, समाज में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा सेवा भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए स्वस्थ, जागरूक और सक्रिय समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

गायत्री परिवार के तत्वाधान में 3 अक्टूबर को होगी भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा

नर्मदापुरम (निप्र)। गायत्री परिवार के द्वारा नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रीय गौरव से परिचित कराने के उद्देश्य से भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन 3 अक्टूबर 2026 को नर्मदापुरम जिले में किया जाएगा। जिला संयोजक चंद्र मोहन गौर के अनुसार परीक्षा दोपहर 12 से 1 बजे तक जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर होगी। परीक्षा के लिए सभी विकासखंडों एवं तहसीलों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। स्कूल-कॉलेजों के हजारों विद्यार्थी इसमें शामिल होंगे। परीक्षा का आयोजन विगत 30 वर्षों से अधिक समय से किया जा रहा है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को तहसील, जिला एवं राज्य स्तर पर नकद पुरस्कार, मेडल और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। गायत्री परिवार ने प्राचार्यों, शिक्षकों एवं नागरिकों से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

पितृ पक्ष में पितरों को तर्पण से मिलती है मुक्ति- अरविदाचार्य

–श्राद्ध और तर्पण से भगवान भी प्रसन्न होते हैं– आचार्य पं अजय दुबे

–समाजसेवी रणजीत सिंह राजपूत ने पितरों की याद में किया आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। शास्त्रों में मनुष्यों के लिए तीन ऋण पितरों से किए गए कर्म को श्राद्ध कहते हैं। श्राद्ध करने से कुल में सुख समृद्धि आती है। हमारे धर्म में आदिकाल से श्राद्ध पक्ष में पितरों के तर्पण का विधान है। पितरों के नाम

यह अमृत बचन आचार्य अरविदायं ने ललिता आश्रम में पहलवान रणजीत सिंह राजपूत के द्वारा आयोजित पितरों की श्राद्ध संगोष्ठी में व्यक्त किए। इस मौके पर ललिता आश्रम के संस्थापक आचार्य पं अजय दुबे ने कहा कि एक बार देवताओं की भले पूजन नहीं की जाए लेकिन पितरों का श्रद्धाभाव के साथ श्राद्ध किया जाए पितरों के लिए जल अर्पण तर्पण किए जाएं तो भगवान भी प्रसन्न होते हैं। हमारे धर्म शास्त्रों में श्राद्ध करने का विधान है। इसलिए श्राद्ध करना आवश्यक माना गया है। पंडित गोपाल प्रसाद खड्डुर ने कहा कि श्राद्ध कर्म से पितृ ऋण उतारा जाता है। पं गिरिमोहन गुरू ने कहा कि जिन माता,पिता ने हमारी आयु आरोग्य और सुख,सौभाग्य आदि की अभिवृद्धि के लिए अनेक यत्न या प्रयास किए। उनके ऋण से मुक्त होने के लिए श्राद्ध करना चाहिए। उनकी पुण्य तिथि पर जल कुश और पुष्प आदि से उनका तर्पण व श्राद्ध संपन्न करने और गो ग्रास देकर भोजन करा देने मात्र से ऋण उतर जाता है। इस कार्य को उनके पुत्र रणजीत सिंह द्वारा श्रद्धाभाव के साथ किया जा रहा है। यह बहुत ही अनुकरणीय है।इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार बलराम शर्मा और पूर्व नपाध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल ने भी पितरों के तर्पण कर पुण्य प्राप्त करने का आह्वान किया। इस श्राद्ध कार्यक्रम में राजपूत समाज व बड़ी संख्या में शहर के नागरिक शामिल हुए। ललिता आश्रम में यह एक अलग तरह की संगोष्ठी हुई।

श्राद्ध केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि एक आध्यात्मिक साधना है-आचार्य पं अविनाश मिश्रा

सोहागपुर (ए.)। वाटिका गार्डन सोहागपुर में महर्षि याज्ञवल्क्य सनातन कल्याण समिति द्वारा आयोजित श्रीमद भागवत कथा में सभी भक्तों को आचार्य पं अविनाश मिश्रा द्वारा पंचम दिवस की कथा में श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया गया। आचार्य श्री ने कहा धनवान व्यक्ति वही है जो अपने तन, मन, धन से सेवा भक्ति करे। परमात्मा की प्राप्ति सच्चे प्रेम के द्वारा ही संभव हो सकती है। पूतना चरित्र का वर्णन करते हुए बताया कि पूतना राक्षसी ने बालकृष्ण को उठा लिया और स्तनपान कराने लगी। श्रीकृष्ण ने स्तनपान करते.करते ही पुतना को परम प्रद प्रदान कर उसका कल्याण किया। माता यशोदा जब भगवान श्री कृष्ण को पूतना के वक्षस्थल से उठाकर लाती है उसके बाद पंचांगव्य गाय के गोबर गोमूत्र से भगवान को स्नान कराती है। इससे हमको शिक्षा लेकर गो माता की सेवाएं और गीता का पाठ अवश्य करना चाहिए। गाय की सेवा से 33 करोड़ देवी देवताओं की सेवा हो जाती है। भगवान ने ब्रजराज का सेवन करके यह दिखला रहे हैं कि जिन भक्तों ने मुझे अपनी सारी भावनाएं व कर्म समर्पित कर रखें वे मेरे कितने प्रिय हैं। भगवान स्वयं अपने भक्तों की चरणरज मुख के द्वारा हृदय में धारण करते हैं। पृथ्वी ने गाय का रस धारण करके श्रीकृष्ण को पुकारा तब श्रीकृष्ण पृथ्वी पर आये हैं। इसलिए वह मिट्टी में नहाते खेलते और खाते हैं ताकि पृथ्वी का उद्धार कर सकें। गोपालकों ने जाकर यशोदामाता से शिकायत कर दी मां तेरे लाला ने माटी खाई है यशोदामाता हाथ में छड़ी लेकर दौड़ी आयीं। अच्छा खोल मुख माता के ऐसा कहने पर श्रीकृष्ण ने अपना मुख खोल दिया। श्रीकृष्ण के मुख खोलते ही यशोदाजी ने देखा कि मुख में चर.अचर सम्पूर्ण जगत विद्यमान है। पूरा त्रिभुवन है उसमें जन्मद्वीप है उसमें भारतवर्ष है और उसमें यह ब्रज ब्रज में नन्दबाबा का घर घर में भी यशोदा और वह भी श्री कृष्ण का हाथ पकड़े। बड़ा विस्मय हुआ माता को। श्री कृष्ण ने देखा कि मैया ने तो मेरा असली तत्त्व ही पहचान लिया है। श्री कृष्ण ने सोचा यदि मैया को यह ज्ञान बना रहता है तो हो चुकी बाललीलाएं फिर तो वह मेरी नारायण के रूप में पूजा करेंगी। न तो अपनी गोद में बैठायेंगी न दूध पिलायेंगी और न मारेगी। जिस उद्देश्य के लिए मैं बालक बना वह तो पूरा होगा ही नहीं। यशोदा माता तुरन्त उस घटना को भूल गयीं। आचार्य श्री ने कहा कि आज कल की युवा पीढ़ी को धर्म पथ से हटाने के अनेक कुचक्र चल रहे हैं सामाजिक भेदभाव उत्पन्न

किया जा रहा है लेकिन तुम अपने धर्म को जानना चाहते हो तो पहले अपने धर्म को जानने के लिए गीता भागवत रामायण पढ़ो तो तुम नहीं तुम्हारी आने वाली पीढ़ी भी संस्कारी हो जायेगी। ब्रजवासियों ने इंद्र की पूजा छोड़कर गिरांज जी की पूजा शुरू कर दी तो इंद्र ने कुपित होकर ब्रजवासियों पर मूसलाधार बारिश की तब कृष्ण भगवान ने गिरांज को अपनी कनिष्ठ अंगुली पर उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की और इंद्र का मान मर्दन किया। तब इंद्र को भगवान की सत्ता का अहसास हुआ और इंद्र ने भगवान से क्षमा मांगी व कहा हे प्रभु मैं भूल गया था की मेरे पास जो कुछ भी है वो सब कुछ आप का ही दिया है। इंद्र का अहंकार भगवान ने नष्ट किया और शरणागति प्रदान की। इसके साथ ही आचार्य श्री ने पितृ ऋण और पितृ पक्ष के महत्तम पर विस्तार पूर्वक बताते हुए कहा कि सनातन धर्म में पितरों का स्मरण और उनका तर्पण करना अत्यंत पुण्यकारी और कुल की शांति का मार्ग माना गया है। हमारे पुराणों में इस प्रकार से स्तुति कि गई है? पितृ पक्ष सनातन हिंदू धर्म में एक अत्यंत महत्वपूर्ण काल है जो अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता

व्यक्त करने का अवसर है। इसे श्राद्ध पक्ष या महालय पक्ष भी कहा जाता है। यह काल न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी इसका विशेष महत्व है।

पितृ पक्ष भाद्रपद पूर्णिमा से लेकर अश्विन अमावस्या तक 16 दिन का विशेष काल है जिसमें पितरों की आत्मा पृथ्वी लोक पर आती है। शास्त्रों के अनुसार इस अवधि में किए गए श्राद्ध तर्पण और दान का विशेष फल मिलता है।पितृ पक्ष का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान करना नहीं है बल्कि पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना और उनके आशीर्वाद को प्राप्त करना है। कहा जाता है कि पूर्वजों की आत्मा संतुष्ट होकर अपने वंशजों को सुख.समृद्धि का आशीर्वाद देती है। आचार्य श्री ने कहा कि शास्त्रों के अनुसार यदि किसी आत्मा को मृत्यु के बाद उचित संस्कार और श्राद्ध नहीं मिलते तो वह प्रेत योनि में भटकती है। पितृ पक्ष में श्रद्धापूर्वक किए गए कर्मकांड पितरों को प्रेत योनि से मुक्त कर स्वर्ग या मोक्ष की ओर ले जाते हैं।श्राद्ध केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि एक आध्यात्मिक साधना है। इसके माध्यम से हम अपने पूर्वजों से आध्यात्मिक जुड़ाव महसूस करते हैं। इसके तीन भाव है

श्रद्धा यह संस्कार श्रद्धा और भक्ति से किया जाता है। दान दान से पितरों को संतोष मिलता है और पुण्य की वृद्धि होती है। और तर्पण तर्पण से आत्मा को शांति और तृप्ति मिलती है। और आप सभी श्रोता तथा यजमान गण बहुत भाग्यशाली है जो अपने पितरों की प्रसन्नता हेतु नियमित श्राद्ध तर्पण के साथ साथ मोक्ष को प्रदान करने वाली श्रीमद भागवत कथा का भी आयोजन कर रहे हैं। श्रोताओं मे विजय पाल सिंह विधायक, सविता दीवान शर्मा पूर्व विधायक भाजपा प्रदेश मंत्री द्वय संगीता सोनी हंस राय साहब सिंह पटेल पांजरा पंडित दिनेश तिवारी राघव पटेल संजय खंडेलवाल राजो मालवीय साहब सिंह पटेल पाला देवरी वसंत नामदेव अनुराग परसाई आशीष डोनीपल अशोक कहार गोल्डी पिपरिया भरत मालवीय नितिन मेसकर मनोज मालवीय शिवकुमार पटेल ए प्रतिमा जायसवाल नागपुरए राजा भैया पटेल पूर्व मंडी अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह पटेलए कृष्ण कुमार पटेल सहित बड़ी संख्या में श्रीकृष्ण भक्त शामिल हुए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत मछेराकलां में हुआ मुख्यमंत्री जनविश्वास जनसंवाद शिविर

लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी, श्रीमती प्रीति शुक्ला, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, डीएफओ गौरव शर्मा, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने शिविर में नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा शासन की योजनाओं एवं उनके माध्यम से मिलने वाले लाभों के संबंध में जानकारी दी। जनप्रतिनिधियों ने भी नागरिकों को शिविर के उद्देश्य एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। शिविर में उद्यम संवाद सत्र का आयोजन भी किया गया।

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत जिला प्रशासन नर्मदापुरम एवं कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय “प्राकृतिक खेती कार्यशाला सह मेला” का आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत जिला प्रशासन नर्मदापुरम एवं कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास, गोविंदनगर के कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में जिला स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला सह मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नर्मदापुरम-नरसिंहपुर सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, विधायक ठाकुरदास नागवंशी, श्रीमती प्रीति शुक्ला एवं

कलेक्टर सोमेश मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 700 से अधिक किसान बंधुओं ने सहभागिता की। किसानों को प्राकृतिक खेती के मन्त्र, इसके विभिन्न तरीकों तथा कृषि क्षेत्र में उपयोग की जा रही नवीन तकनीकों के संबंध में विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई। कार्यशाला का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ खेती को अधिक टिकाऊ, मृदा एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए प्रेरित करना रहा। प्राकृतिक खेती कार्यशाला सह मेले में फसल अवशेष प्रबंधन पर आधारित कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी लगाई गई। किसानों ने विभिन्न कृषि यंत्रों की कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता की जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही विभिन्न विभागों तथा प्रगतिशील किसानों द्वारा उत्पादित कृषि एवं अन्य उपयोगी उत्पादों की वृहद प्रदर्शनी भी आयोजित की गई।

प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन, कृषि में नवीन तकनीकों के उपयोग तथा स्थानीय स्तर पर तैयार किए जा रहे उत्पादों की जानकारी दी गई। प्रगतिशील किसानों द्वारा अपनाई जा रही नवाचारपूर्ण कृषि पद्धतियों एवं उनके उत्पादों ने भी मेले में किसानों का ध्यान आकर्षित किया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एवं व्यूयों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से सुदृढित तथा “शिवगानी भवन”,क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।

स्थानीय व्यूयों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल – dainikkshitiijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitiijkiran.com